हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 8 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 36 .3 डिग्री
न्यूनतम 15 .6 डिग्री

12 ऊर्जा मंत्री अनिल विज का विधानसभा अध्यक्ष ने जाना हालचाल

12 होनहार बेटी सुहासिनी मित्तल ने बढ़ाया कस्बे का गौरव, यूपीएससी में मिला 413वां रैंक

खबर संक्षेप

काउंटर का दराज तोड़कर 53 सौ रुपये चोरी

यमुनानगर। शहर की सरोजनी कालोनी स्थित मकान से चोरों ने काउंटर का दराज तोड़कर 53 सौ रुपये चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सरोजनी कालोनी निवासी डॉक्टर चंद्र मोहन तुली ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह छह मार्च को दोपहर तीन बजे घर से किसी काम से बाहर गया था। जब कुछ देर बाद वापस लौटा तो घर में बना चैंबर टूटा पड़ा था और अंदर काउंटर की दराज से 53 सौ रुपये गायब थे।

घर में घुसकर महिला पर चाकू से किया हमला

यमुनानगर। गांव किशनपुरा दामला में एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक घर में घुसकर महिला पर चाकू से हमला कर दिया। उसे छुड़ाने आए युवक पर भी आरोपियों ने लाठी से हमला कर उसकी बाजू तोड़ दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद एक युवक को नामजद करते हुए कुछ अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव किशनपुरा दामला निवासी लाजो देवी ने सदर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव दामला निवासी राशिद ने अपने साथियों के साथ मिलकर 19 फरवरी को रात 10 बजे उनके घर में घुसकर उस पर चाकू से हमला कर दिया।

9 मार्च को किसान संसद पर करेंगे प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 9 मार्च को संसद पर होने वाले धरना-प्रदर्शन में व 10 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा सारे देश में ईरान पर युद्ध के खिलाफ अमेरिकी के राष्ट्रपति ट्रम्प व इसराइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू के पुतला दहन कार्यक्रम में आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगा। यह जानकारी संगठन के जिलाध्यक्ष कामरेड राजकुमार सारसा व जिला सचिव कामरेड कृष्ण चंद ने जारी बयान में दी।

इमिग्रेशन कारोबारी को 5.50 करोड़ का चूना

अंबाला। इमिग्रेशन कारोबारी हेमंत से 5.5 करोड़ की धोखाधड़ी हो गई। साइबर ठगों ने ऑनलाइन ताश के पत्तों की गेमिंग के जरिए उसे अपने जाल में फंसाया था। पीड़ित हेमंत ने बताया कि शुरुआत में 49 हजार 999 रुपये राशि डाली थी।आईडी बनाने के बाद साइबर ठग ने कहा था कि इसे आप और हम दोनों चला सकते हैं। बाद में आरोपियों ने व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल कर आईडी से एक ताश के पत्तों की गेम खेलकर दिखाई। मुनाफा दिखाते हुए 75000 प्वाइंट दिखा दिए।रुपये निकालने के लिए कम से कम खाते में 1.50 लाख प्वाइंट होने की बात कही थी।

मरीजों ने झेली परेशानी, घरौंडा में डॉक्टरों और पुलिस के बीच विवाद का असर

नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

घरौंडा में डॉक्टरों और पुलिस के बीच विवाद का असर शनिवार को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ दिखाई दिया। विरोध स्वरूप डॉक्टरों द्वारा की गई हड़ताल के चलते जिला के लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरह डगमगा गई। दूर-दराज से आए मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हड़ताल का सबसे बुरा असर गर्भवती महिलाओं पर पड़ा। अस्पताल में नियमित जांच और प्रसव के लिए पहुंचीं कई महिलाओं को डॉक्टर न मिलने के कारण मायूस होकर लौटना पड़ा। पीड़तिों ने बताया कि जिन महिलाओं का आज ऑपरेशन प्रस्तावित था, डॉक्टरों की अनुपस्थिति के चलते उन्हें भी बिना उपचार वापस जाना पड़ा। इलाज के लिए आए ग्रामीण नसीब, पाला राम व महिला पाखी ने बताया कि वे इलाज के लिए सुबह ही अस्पताल में पहुंच गए थे। जब रजिस्टेशन काउंटर पर पर्ची बनवाने के लिए लाइन में लगे तो पता चला कि डाक्टरों की हड़ताल है। ऐसे में उन्हें मायूस होकर वापस जाना पड़ रहा है। घरौंडा के सरकारी अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर और पुलिस के बीच हुआ विवाद सुलझता दिखाई नहीं दे रहा है। थाना प्रभारी दीपक कुमार और प्रकरण में शामिल अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदेश भर के डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। डॉक्टर एसोसिएशन के आह्वान पर जिले भर में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी है। उनका कहना है कि जब तक उनके अनुसार कार्रवाई नहीं होती, वे काम पर नहीं लौटेंगे। बतां दे कि बुधवार शाम घरौंडा के सरकारी अस्पताल में एमएलसी को लेकर पुलिस और ड्यूटी पर मौजूद मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रशांत के बीच विवाद हो गया था। आरोप है कि पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और बातचीत के दौरान मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में बहस हो गई। डॉक्टरों का कहना है कि इस दौरान थाना प्रभारी ने मेडिकल ऑफिसर के साथ अभद्र व्यवहार किया और उनका कॉलर पकड़ थप्पड़ जड़ा। मामले का वीडियो सामने आने के बाद डॉक्टर एसोसिएशन ने इसे चिकित्सा पेशे की गरिमा पर हमला बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कुरुक्षेत्र। खाली पड़ी अस्पताल की ओपीडी।

कुरुक्षेत्र। खाली पड़ा अस्पताल का रजिट्रेशन काउंटर।

डॉक्टरों की हड़ताल से बंद रही सरकारी अस्पतालों में ओपीडी, परेशान रहे मरीज

■ जिला करनाल के घरौंडा में चिकित्सक के साथ पुलिस अधिकारी द्वारा की गई मारपीट के विरोध में हड़ताल पर रहे डॉक्टर

यमुनानगर। जिला करनाल के घरौंडा में चिकित्सक के साथ पुलिस अधिकारी द्वारा की गई मारपीट के विरोध में शनिवार को जिले के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर हड़ताल रहे। इस दौरान ओपीडी सेवाएं बंद रहीं। जिससे अस्पताल में पहुंचे मरीजों को बिना दवाई मिले ही वापस लौटना पड़ा। जिस कारण मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहीं। जिससे गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार मिलता रहा।शनिवार को हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के आह्वान पर सिविल अस्पताल के डॉक्टर हड़ताल पर रहे। इस दौरान डॉक्टरों ने ओपीडी सेवाएं बंद रखी। सुबह से ही बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे, लेकिन ओपीडी बंद होने के कारण उन्हें बिना इलाज के ही लौटना पड़ा।ओपीडी बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी सामान्य जांच और परामर्श के लिए आए मरीजों को हुई। कई मरीज दूर-दराज के गांवों से अस्पताल पहुंचे थे। लेकिन डॉक्टरों के न मिलने से उन्हें मायूस होकर वापस जाना पड़ा। कुछ मरीजों ने मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख किया।शहर के कैंप निवासी सुमित ने बताया कि उसको कई दिन से बुखार है। वह डॉक्टर से दवाई लेने के लिए सिविल अस्पताल आया था। मगर यहां आकर पता चला कि आज डॉक्टर हड़ताल पर हैं। जिस कारण उसे अब निजी अस्पताल में दवाई लेने के लिए जाना पड़ेगा। इसी प्रकार अन्य मरीजों को भी ओपीडी बंद होने के कारण बिना दवाई के ही वापस लौटना पड़ा। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ. विपिन गोंदवाल व डॉ. पुनित कालड़ा ने बताया कि यह हड़ताल डॉक्टरों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर की गई है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

चिकित्सकों की हड़ताल जारी, बोले सुरक्षा करे सरकार, हड़ताल से सरकारी अस्पतालों में व्यवस्था चरमराई

अंबाला। करनाल में एक डॉक्टर के साथ हुई मारपीट के मामले का असर अंबाला में भी देखने को मिल रहा है। सरकारी डॉक्टर अपनी ओपीडी छोड़कर हड़ताल पर बैठ गए है। हालांकि डॉक्टरों में भी मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। डेंटल, बाल ओपीडी सहित कुछ डॉक्टर अपनी ओपीडी संभाल रहे हैं। सिविल सर्जन अंबाला डॉ. रेनू बेरी की तरफ से वैकल्पिक व्यवस्था की तौर पर ओपीडी में ट्रेनी डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। ऐसे में ओपीडी सेवाएं चरमरा रही है। स्पेशलिस्ट डॉक्टर न होने के कारण मरीज लौट रहे हैं। सबसे ज्यादा असर कैंट, सिटी व नारायणगढ़ के तीनों मुख्य सरकारी अस्पतालों में देखने को मिल रहा है। सरकारी डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टरों की सुरक्षा पहले होनी चाहिए ताकि वह बिना किसी दबाव के मरीजों का उपचार कर सकें। हालांकि एमरजेंसी सेवाएं चालू हैं।

कुरुक्षेत्र। महिला को आदेश की प्रति दिखाते पुलिस अधिकारी।

महिला आरोपी को एक साल के लिए किया पाबंद, भेजा जेल

■ नशा तस्करी में शामिल आरोपियों के खिलाफ कुरुक्षेत्र पुलिस की सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए एक महिला आरोपी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कुरुक्षेत्र पुलिस ने हरियाणा सरकार के आदेशानुसार नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गांधीनगर वासी महिला को (पीआईटी/एनडीपीएस एक्ट) के तहत एक वर्ष के लिए पाबंद कर जिला कारागार भेज दिया है। जानकारी देते हुए डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस नशा तस्करी की चेन तोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में गांधीनगर वासी महिला आरोपी पार्वती को एक वर्ष के लिए पाबंद करते हुए कारागार भेजा गया है। आरोपी महिला के खिलाफ जिला कुरुक्षेत्र के थाना कृष्णा गेट, शहर थानेसर व सदर थानेसर में एनडीपीएस एक्ट के तहत पांच मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि महिला आरोपी के खिलाफ पीआईटी (एनडीपीएस एक्ट) के तहत कार्रवाई करने के लिए हरियाणा सरकार से पत्राचार किया गया था। सरकार से अनुमति मिलने के बाद आरोपी को पाबंद कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

बार-बार अपराध पर पीआईटी एक्ट के तहत होती है कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बताया कि पीआईटी (एनडीपीएस एक्ट की धारा-3) के तहत यदि कोई आरोपी नशीले पदार्थों के मामलों में बार-बार संलिप्त पाया जाता है, तो राज्य सरकार की अनुमति लेकर उसे अपराध करने से रोकने के लिए एक निश्चित अवधि के लिए पाबंद कर कारागार भेजा जा सकता है। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र पुलिस अब तक दो आरोपियों के खिलाफ इस धारा के तहत कार्रवाई कर चुकी है और भविष्य में भी नशा तस्करों के खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पीआईटी एक्ट के तहत हुई कार्रवाई: डीएसपी मुख्यालय

जानकारी देते हुए डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस नशा तस्करी की चेन तोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रही है। डीएसपी सुनील कुमार ने बताया कि कुछ समय पहले जिला पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा-3 के तहत नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल आरोपी जिशान खान उर्फ माटा वासी बपदा जिला कुरुक्षेत्र व सौरभ उर्फ वैरभ वासी वशिष्ठ कॉलोनी थानेसर को पाबन्द करके जिला कारागार भेजने की कारवाई की गई थी। अब गांधीनगर वासी महिला आरोपी के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा की भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

पूर्व सीएम हुड्डा दें धर्मेंद्र के आरोपों का जवाब

■ पूर्व सीएम भूपेंद्र व इनके सांसद पुत्र को आरोपी धर्मेंद्र के आरोपों का जनता के सामने जवाब देना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। युवा नेता व समाजसेवी जितेंद्र संधू प्रेस वार्ता करते हुए।

हरियाणा में जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान रोहतक में पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु संधू के बंगले को आग में जलाने के मामले ने हरियाणा की राजनीति गरमाने लगी है। वहीं, कैप्टन अभिमन्यु के बंगले को जलाने के केस में भगोड़ा घोषित आरोपी धर्मेंद्र हुड्डा द्वारा विदेश से जारी किए गए वीडियो यह बता रहे है कि कैप्टन अभिमन्यु का बंगला साजिशन जलाया गया था। इधर, कैप्टन अभिमन्यु का बंगला जलाने के मामले में जींद की सतरोल महापंचायत में अग्रणी भूमिका निभाने वाले युवा नेता व समाजसेवी जितेंद्र संधू निवासी गांव निजामपुर जिला पानीपत ने प्रेस वार्ता में कैप्टर अभिमन्यु का बंगला जलाने के मामले में पूर्व मुख्यमत्री भूपेंद्र हुड्डा और इनके सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर गंभीर आरोप लगाए है। जितेंद संधू ने कहा कि यदि इस जघन्य कांड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का नाम सामने आ रहा है, तो उन्हें चुप्पी तोड़नी चाहिए।

जितेंद्र संधु ने कहा कि इस मामले में भगौड़े आरोपी धर्मेंद्र हुड्डा द्वारा जारी किए गए वीडियों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर लगाए गए आरोपों ने साफ कर दिया है कि युवाओं को मोहरा बनाकर बड़ी राजनीतिक साजिश के तहत कैप्टन अभिमन्यु के बंगला जलाया गया था। वहीं, जितेंद्र संधु ने कहा कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुडा और इनके सांसद पुत्र दीपेंद्र हुड्डा का नाम कैप्टन अभिमन्यु के बंगले में आगजनी के मामले में उछल रहा है, तो दोनों को जनता के सामने आ कर इसका जवाब देना चाहिए।

हुड्डा पिता व पुत्र जनता के प्रति अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। उन्होंने प्रदेश सरकार से भी इस मामले की नए सिरे से जांच करवाने की मांग करते हुए कहा कि कैप्टन अभिमन्यु के बंगले में आगनजी के असली मास्टरमाइंड का चेहरा जनता के सामने लाया जा ना चाहिए।

फाग वाले दिन से लापता युवक का शव मिला

पानीपत। पानीपत के महमदपुर गांव में होली के दिन लापता हुए 23 वर्षीय कालू का शव रेलवे ट्रैक पर से निर्वस्त्र हालत में मिला। वहीं

■ परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, जीआरपी ने जांच शुरू की

कालू के शरीर पर चोट के निशान मिल है। इधर, परिजनों ने कालू के एक दोस्त पर हत्या का आरोप लगाते हुए दावा किया कि फाग वाले दिन वह कालू को घर से बुलाकर अपने साथ ले गया और उसकी हत्या की और इसे हादसा दिखाने के लिए शव को रेलवे ट्रैक पर फैंक दिया। इधर, घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी व एफएसएल की टीम ने शव व घटनास्थल की जांच की। जांच पूरी होने के बाद जीआरपी ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील के विरोध में 10 को निकाला जाएगा ट्रैक्टर मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंद्री

इंद्री। अनाज मंडी इंद्री मे अमेरिका-भारत ट्रेड डील के विरोध मे नारेबाजी करते किसान।

भारतीय किसान यूनियन (चढ़ुनी) की मीटिंग अनाज मंडी इंद्री में हलका प्रधान मनजीत चौगांवा की अध्यक्षता में हुई । मीटिंग में मुख्य रूप से भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष रामपाल चहल मौजूद रहे । इस मौके पर रामपाल चहल व मंजीत चौगांवा ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भाकियू द्वारा अमेरिका - भारत ट्रेड डील को रद्द करवाने की मांग व धान घोटाले को लेकर आंदोलन चलाया हुआ है । उसी को लेकर पूरे प्रदेश में 10 मार्च को प्रदेश की सभी तहसीलों पर ट्रैक्टर मार्च निकालकर ज्ञापन सौंपा जाएगा । इंद्री मे यह ट्रैक्टर मार्च अनाज मंडी इंद्री स्थित किसान विश्राम गृह से शुरू होकर शहर के बाजारों से होता हुआ सिंचाई विभाग के विश्राम गृह मे पहुंचेगा और अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होने बताया कि 23 मार्च को पिपली अनाज मंडी में विशाल जन क्रांति रैली का आयोजन किया जाएगा । जिसमे भारी संख्या में किसानों को पहुंचने की अपील की गई ताकि अमेरिकी ट्रेड डील को रद्द करवाया जा सके । इस मौके पर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से सरसों की सरकारी खरीद शीघ्र शुरू करवाने की मांग की । उन्होंने कहा कि सरसों की सरकारी खरीद शुरू नहीं होने से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है जिसके चलते किसानों मे रोष पनप रहा है । इस दौरान किसानों ने अमेरिका - भारत ट्रेड डील के विरोध मे नारेबाजी कर रोष जताया । इस मौके पर रघबीर मोर, छबेग सिंह, मनदीप मढान, जसविंद्र व राहुल कलसौरा सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे

रंजिशन युवक पर तलवारों से हमला कर किया जान से मारने का प्रयास

■ घायल युवक का अस्पताल में चल रहा इलाज

■ पुलिस ने पांच आरोपी युवकों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर के चिट्टा मंदिर रोड स्थित सतकार मेडिकल के पास रंजिश के चलते करीब आधा दर्जन युवकों ने शहर के विकास नगर निवासी संदीप पर तलवारों से हमला कर जान से मारने का प्रयास किया। घायल युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांच आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र के विकास नगर निवासी संदीप ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले कुणाल व अमन राणा के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था मगर इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। संदीप ने बताया कि पांच मार्च को रात नौ बजे वह शहर के चिट्टा मंदिर रोड से जा रहा था।

जब वह सतकार मेडिकल के पास पहुंचा तो आरोपी कुणाल, अमन राणा, वरुण, सिब्बी व अरुण ने उसे रोक लिया और उस पर तलवारों, विंडो व रॉड लगी गरारी से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उसके पेट, बाजू, टांगों पर गंभीर चोटें आई है। शोर सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। उसने घटना की सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को अगवा कर लिया। पुलिस ने युवती के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 21 वर्षीय लड़की पांच मार्च को सुबह नौ बजे किसी काम से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को गांव नगला निवासी प्रिंस शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

विकास महेशनगर से डिफेंस कालोनी तक हर कालोनी में डलेगा ड्रेनेज सिस्टम

पहले चरण में बीसी बाजार, लालकुर्ती, गोविंदनगर सहित कई कालोनियों में बिछेगी स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप लाइन

अंबाला छावनी की बदलेगी सूरत, 58 करोड़ से बिछेगी 89 किमी लंबा स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम के जरिए अंबाला छावनी में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। सदर क्षेत्र में पहले ही स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम सफलतापूर्वक डाली जा चुकी है जिसका लोगों को लाभ मिल रहा है। अब शेष अंबाला छावनी में इसे यहीं ड्रेनेज पाइपलाइन का जाल बिछाया जाएगा।। दो चरणों में अंबाला छावनी में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डालने का कार्य पूरा होगा। पहले चरण के तहत लगभग 58 करोड़ रुपए की लागत से 89 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन डालने के कार्य को मंजूरी मिल चुकी है जबकि दूसरे चरण के कार्य को जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अपने आवास पर जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ अम्बाला छावनी में स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा की। विज ने बताया कि प्रोजेक्ट के पहले चरण में 58 करोड़ की लागत से बीसी बाजार, लालकुर्ती, आउटर लार्ज रोड (बिजली बोर्ड दफ्तर से एसडी विद्या स्कूल तक), ट्रिब्यून कालोनी, गोविंद नगर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, सुभाष कालोनी, कस्तूरबा कॉलोनी के अलावा अन्य कॉलोनियों में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डाली जाएगी।

अंबाला। पाइपलाइन को लेकर अधिकारियों से बातचीत करते मंत्री अनिल विज।

योजना तैयार है और बहुत जल्द जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन के डलने से कॉलोनियों व अन्य स्थानों पर अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेगा। ओपन नालियों को बंद किया जाएगा जिससे जल निकासी तो बेहतर होगी साथ ही लोगों को गंदगी से भी भारी राहत मिलेगी व उनका जीवन सुखद बनेगा। इसी प्रकार प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के अंतर्गत जगाधरी रोड के दूसरी तरफ महेशनगर से लेकर अंतिम छोर में बसी डिफेंस कॉलोनी तक सारी कालोनियों में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डलेगी।

सदर क्षेत्र में प्रभावी साबित हुई पाइप लाइन

मंत्री अनिल विज के प्रयासों से सदर बाजार क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन पहले ही डाली जा चुकी है जिसका जनता को लाभ मिल रहा है। सदर क्षेत्र में 12 क्रास रोड तक लगभग 144 बड़े व छोटे नालों को स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डालकर भूमिगत किया गया था। स्ट्रॉम वॉटर लाइन डलने से बरसातों के समय पानी निकासी बेहतर रही थी। इतना ही नहीं सदर क्षेत्र के मुख्य सेंट्रल नाले को भी स्ट्रॉम वॉटर लाइन डालकर भूमिगत किया गया था। सदर एरिया में नाले भूमिगत होने से गंदगी व मक्खी-मच्छरों से लोगों को निजात मिली है और क्षेत्र में साफ-सफाई पहले से बेहतर हो रही है।

खबर संक्षेप

सनमाइका फैक्ट्री में धोखाधड़ी से लगाया चूना

यमुनानगर। गांव साबापुर स्थित सनमाइका फैक्ट्री में सनमाइका के बिल में धोखाधड़ी करके फैक्ट्री मालिक को चूना लगाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने फैक्ट्री के डिस्पैच इंचार्ज सुमित समेत दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस में दी शिकायत में रोशनलाल ने बताया कि उसकी गांव में ही गोल्ड लेमिनेट इंडिया लिमिटेड सनमाइका फैक्ट्री है। छह मार्च को वह अपनी फैक्ट्री में मौजूद था। इस दौरान फैक्ट्री में आईएस प्लाईवुड ट्रेडिंग कंपनी सेक्टर 17 हुडा जगाधरी से 13 सीट सनमाइका का आर्डर प्राप्त हुआ। उसे शक होने पर जब सतबीर द्वारा तैयार किया गया। सनमाइका के ऑर्डर के बिल और आईएस प्लाईवुड ट्रेडिंग कंपनी के गाड़ी में लोड हुए सनमाइका सीट को चेक किया तो उसमें 13 सीट की बजाय 18 सीट लोड होनी पाई गई जो कि बिल के मुताबिक कुल सामान 4422 रुपये पाया गया परंतु फैक्ट्री से जो सामान आरएस प्लाईवुड ट्रेडिंग कंपनी की गाड़ी में लोड हुआ उसकी कुल कीमत 10021 रुपये है।

7 मार्च से सरकारी खरीद शुरू करने की मांग

करनाल। भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने हरियाणा सरकार द्वारा सरसों की सरकारी खरीद 28 मार्च से शुरू करने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। यूनियन ने मांग की है कि सरसों की खरीद 7 मार्च से शुरू की जाए, जबकि अन्य रबी फसलों की खरीद 20 मार्च से आरंभ की जाए। यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने बताया कि तीन दिन पहले हरियाणा के मुख्य सचिव की ओर से फसलों की खरीद की तारीखों की घोषणा की गई थी। इसके विरोध में यूनियन ने सरकार को पत्र लिखकर सरसों की खरीद तुरंत शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरसों की फसल पूरी तरह पककर मंडियों में पहुंच चुकी है, लेकिन अभी तक सरकारी खरीद शुरू नहीं हुई है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सद्भाव यात्रा में दिया जाएगा भाईचारे का संदेश

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व किसान सेल के राष्ट्रीय संयोजक ललित बुटाना ने बताया कि कांग्रेस पार्टी की ओर से निकाली जा रही सद्भावना यात्रा 10 मार्च को नीलोखेड़ी हलके में प्रवेश करेगी। उन्होंने कहा कि यात्रा को लेकर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और दो दिन तक यह यात्रा विभिन्न गांवों में रुककर कार्यक्रम करेगी। ललित बुटाना ने बताया कि नीलोखेड़ी पहुंचने पर यात्रा का जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा की तैयारियों को लेकर वह कांग्रेस नेता इन्द्रजीत सिंह गोराया और राजेन्द्र बल्ला के साथ क्षेत्र के कई गांवों में जाकर लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व सांसद एवं पूर्व आईएएस अधिकारी बृजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही इस यात्रा का उद्देश्य समाज में भाईचारा, सौहार्द और एकता का संदेश फैलाना है। यात्रा के दौरान लगभग एक दर्जन गांवों में जनसभाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें कांग्रेस नेता जनता से सीधे संवाद करेंगे।

उपायुक्त ने नशे की रोकथाम को लेकर संबंधित अधिकारियों की ली बैठक

युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों की ओर देना चाहिए ध्यान : डीसी

जिले में नशे पर रोकथाम के लिए गांवों में जाकर लोगों को जागरूक करें स्वास्थ्य,पुलिस व शिक्षा विभाग के अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। अधिकारियों के साथ बैठक करती जिला उपायुक्त।

जिला उपायुक्त कार्यालय में नशे की रोकथाम के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला उपायुक्त प्रीति ने की। जिला उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशा मुक्ति पर आपसी सामंजस्य के साथ आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि जिला को नशा मुक्त बनाने के लिए युवाओं में जागरूकता लानी जरूरी है।डीसी ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य नशे को जड़ से खत्म करना है। बैठक में मौजूद संबंधित अधिकारियों को कहा कि हर माह सभी नशा मुक्ति केन्द्रों का निरीक्षण करें। नशा रोकने को लेकर पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, खेल विभाग सहित अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर गांव व शहर में जाकर लोगों को जागरूक करें और नशा करने वाले लोगों पर नजर बना कर रखें ताकि उनमें सुधार लाया जा सकें। डीसी ने जिला के सभी अधिकारियों व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की स्कूल व कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए ताकि वह हर प्रकार के नशे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशा मुक्ति के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी है। डीसी ने कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहते हुए जीवन में अपनी ऊर्जा को सही कार्यों में लगाना चाहिए, जिससे उनके जीवन का विकास हो। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ें। योग व खेलों से शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक रूप से भी व्यक्ति का विकास होता है। शरीर को स्वस्थ रखने में योग व खेल उत्कृष्ट कार्य करते हैं।

सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सभी मेडिकल स्टोरों में नशें की प्रतिबंधित दवाओं की जांच कर रिपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि जिन मेडिकल स्टोरों पर अवैध रूप से नशे की दवा मिलती है मेडिकल स्टोर के संचालको पर कार्यवाही की जाए। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी मेडिकल स्टोर नशे की दवाई न दें।

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, एएसपी अमरेंद्र सिंह, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, छछरौली के एसडीएम रोहित कुमारए,रादौर के एसडीएम नरेन्द्र कुमार, सिविल सर्जन डॉ. जितेन्द्र सिंह, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलता, जिला न्यायवादी धर्मचंद, ड्रग कंट्रोल अधिकारी बिंदु धीमान सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

455 नशा पीड़ितों को किया चिन्हित

नशा मुक्ति अभियान के बारे में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमरेन्द्र सिंह ने डीसी को बताया कि शहर यमुनानगर के विभिन्न क्षेत्रों में से लगभग 455 नशा पीड़ीतों को चिन्हित किया गया और उनकी काउंसलिंग करवा कर नशा मुक्ति केंद्र में भेजा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा सही राह मुहिम के तहत हर मंगलवारए शुक्रवार को जागरूकता अभियान चलाया जाता है

नशे के विरूद्ध विद्यार्थियों को जागरूक करें अध्यापक

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि स्कूल व कॉलेज के अध्यापक नशा मुक्ति के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करें। नशा मुक्ति के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर काम करना होगा। केवल सरकारी प्रयासों से ही नशे की समस्या को समाप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और एकजुट होकर नशे के खिलाफ आवाज उठानी होगी। नशे का कारोबार करने वालों की सूचना देने वालों के नाम गोपनीय रखे जाएंगे। समाज के लोगों को इस बीमारी को समाप्त करने के लिए आगे आना चाहिए।

छात्रों को औषधि में तलाशनी चाहिए नई संभावनाएं: कुमार

रादौर। कार्यक्रम में भाग लेते ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के विद्यार्थी।

- ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट में राष्ट्रीय औषधि दिवस पर हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

राष्ट्रीय औषधि शिक्षा दिवस के अवसर पर ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि यह दिवस भारत में औषधि शिक्षा के जनक माने जाने वाले महादेव लाल श्रॉफ की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

प्राचार्य ने बताया कि डॉ. एमएल श्रॉफ ने भारत में संगठित, आधुनिक औषधि शिक्षा की मजबूत नींव रखी और फार्मेसी को एक व्यवस्थित पेशे के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी की बदौलतआज फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। समाज को सुरक्षित एवं प्रभावी औषधी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों को भारतीय औषधि परिषद के अध्यक्ष मोंटू कुमार पटेल का विशेष संदेश भी दिखाया गया। जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान व कौशल विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज के फार्मेसी विद्यार्थियों को केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें नए विचारों और नवाचारों के माध्यम से औषधि उद्योग में नई संभावनाएं उत्पन्न करनी चाहिए। शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करते हुए एक सशक्त और भविष्य के लिए तैयार औषधि क्षेत्र के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। एनबीएस ग्लोबल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अमित कम्बोज ने विद्यार्थियों को औषधि क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न रोजगार अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अपने अनुभवों से बताया कि यदि विद्यार्थी सही दिशा में परिश्रम, समर्पण और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ें तो वे अपने करियर में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

रोटरी व इनरव्हील क्लब ने महिलाओं को किया सम्मानित

रादौर। महिलाओं को सम्मानित करते दानों क्लबों के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

रोटरी क्लब व इनरव्हील क्लब की ओर से शनिवार को रादौर के सरकारी अस्पताल में अंतराष्टीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दंतरोग विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी मार्या मुख्य रूप से मौजूद रही। महिला दिवस पर नगरपालिका रादौर की 7 महिला सफाई कर्मचारी, 2 अस्पताल महिला कर्मचारी व शहर की अनाजमंडी में चल रही अटल किसान मजदूर कैंटीन में कार्यरत स्वयं सहायता समूह की 6 महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। डॉ. पल्लवी मार्या ने सभी 15 महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

महिला दिवस पर छात्रों ने दिया सशक्तिकरण का संदेश

रादौर। जेएमआईटी कॉलेज में विजेताओं को सम्मानित करते आयोजक।

रादौर। रादौर के जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में शनिवार को वूमेन सेल की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम कॉलेज के निदेशक डॉ. एसके गर्ग व वूमेन सेल की इंचार्ज डॉ. पूजा शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मौके पर मौजूद डॉ. एसके गर्ग ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। डॉ. पूजा शर्मा व डॉ. अनीता अबरोल ने भी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों के उत्साह और प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सरस्वती धाम में शुरू हुई बोटिंग आकर्षण का केंद्र बनेगा तीर्थ स्थल

- हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने पहुंचते हैं सरस्वती धाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। बोटिंग का शुभारंभ करते सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच व अन्य। फोटो: हरिभूमि

जिले के सरस्वती नगर स्थित सरस्वती धाम में बोटिंग की सुविधा शुरू की गई है। जिससे सरस्वती तीर्थ स्थल श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने बोटिंग सुविधा का शुभारंभ किया। सरस्वती धाम पर प्रति वर्ष भारी संख्या में लोग अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए आते हैं।

चेयरमैन ने बताया कि सरस्वती नगर स्थित सरस्वती धाम में मुख्यमंत्री नायब सैनी के आशीर्वाद से बोटिंग की सुविधा शुरू कर दी गई है। लंबे समय से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की मांग को देखते हुए यह सुविधा प्रारंभ की गई है। जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को एक नया अनुभव मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरस्वती धाम एक आस्था का केंद्र है। श्रद्धालु अपने पूर्वजों की स्मृति में जलामचन करने तथा धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आते हैं।

गांव दुधला में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

यमुनानगर। गांव दुधला में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं।

यमुनानगर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवम स्वच्छता सहायक संगठन वासो के सौजन्य से गांव दुधला में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। खंड संसाधन संयोजक अशोक कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद नारी शक्ति को महिला दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर साल आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और समाज में उनके योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। महिलाएं देश, समाज व दुनिया के विकास में भी खास भूमिका निभाती हैं। इस दौरान अशोक कुमार ने गिरते भूजल स्तर पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने पानी की एक-एक बूंद के सदुपयोग पर बल दिया। इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गीता देवी, गीता रानी, पंच सुभाष, सुमन, ममता, माम कौर, नैब कौर, सुषमा, ऑपरेटर राजेश कुमार व महरूफ आदि उपस्थित थे।

विधायक अरोड़ा ने की गन्ने की बिजाई से पहले एमएसपी घोषित करने की मांग

- विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने विधानसभा सत्र में गन्ने की खेती पर सरकार का ध्यान दिलवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

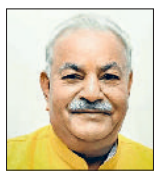

यमुनानगर। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा की फाइल फोटो

यमुनानगर सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने गन्ने का एमएसपी बिजाई से पहले घोषित करने की मांग की है। विधायक ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत गन्ने की खेती पर सरकार का ध्यान दिलवाया।

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि आज गन्ने की खेती की तरफ से किसान का ध्यान तेजी से कम हो रहा है। क्योंकि गन्ने की खेती ज्यादा फायदे का सौदा नहीं रही है। गन्ने की पैदावार में लगातार कमी आ रही है। इससे शुगर मिलों को भी चलाने में दिक्कत आ रही है। बेमौसम की वजह से भी गन्ने की पैदावार में कमी आ रही है। विधायक ने सरकार को अपने सुझाव देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार को गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य गन्ने की बिजाई से पहले घोषित किया जाना चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान गन्ने की पैदावार कर सकें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि गन्ने की इस प्रकार की प्रजातियां विकसित की जाए जो की रोगों का सामना मजबूती से कर सके क्योंकि ज्यादातर गन्ने की फसल में कीड़े लग जाते हैं जिस कारण पैदावार में भारी कमी आती है। सरकार को ऐसे बीजों को बढ़ावा देना चाहिए जो की बीमारियों का मुकाबला कर सके और किसान आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि गन्ने की खेती अगर मुनाफे का सौदा होगी तो उसे कृषक वर्ग व्यापारी वर्ग सभी को फायदा होगा। प्रदेश उन्नत्ति के रास्ते पर सभी वर्गों के सहयोग के साथ आगे बढ़ेगा।

सीएम सैनी के नेतृत्व में प्रदेश कर रहा उन्नतिः राणा

यमुनानगर। गांव का दौरा करते वरिष्ठ भाजपा नेता नेपाल सिंह राणा।

यमुनानगर। हरियाणा सरकार द्वारा हर क्षेत्र में विकास कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश उन्नति की राह पर है। यह शब्द वरिष्ठ भाजपा नेता नेपाल सिंह राणा ने कहे। शनिवार को उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया तथा लोगों से मुलाकात की। दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि हर गाँव और हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बनेगा तभी देश सशक्त आत्मनिर्भर भारत बनेगा। राणा ने कहा कि कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा द्वारा रादौर विधानसभा क्षेत्र में लोगों की मांग पर प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश उन्नति पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा जनहित के फैसले लिए जा रहे हैं । इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन रुपींदर सिंह मल्ही, पार्षद उज्जवल ठाकुर, भाजपा नेता आदेश राणा, पुष्पेन्द्र सिंह, चरणजीत सिंह, अजय कुमार, मीडिया प्रभारी कपिल गर्ग आदि मौजूद थे।

पीपली अनाज मंडी में 23 को होगी भाकियू की विशाल आक्रोश रैली

- दर्जनों गांवों में जनसभा कर किसानों को आक्रोश रैली में भाग लेने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

यमुनानगर। गांव दामला में आयोजित जनसभा में उपस्थित किसान नेता।

भारतीय किसान यूनियन द्वारा 23 मार्च को अनाजमंडी पीपली में आयोजित आक्रोश रैली को लेकर भाकियू राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरनाम सिंह चढ़ूनी शनिवार को रादौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गांव दामला, चमरोडी, गुमथला, लक्सीबांस, अलाहर, खजूरी, चमरोड़ी, खेड़ी लक्खा सिंह, गुन्दयाना में ग्रामीणों की जनसभाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि केंद्र सरकार ने अमेरिका से कृषि समझौते कर देश के किसान को बर्बाद करना चाहता है। यदि अमेरिका से 0 प्रतिशत टैक्स पर सामान भारत में आएगा तो भारत के किसानों की फसलें कौड़ियों के भाव बिकेगी। उन्होंने किसानों को 10 मार्च को रादौर में आयोजित होने वाली ट्रैक्टर रैली में अधिक से अधिक संख्या में ट्रैक्टर लेकर पहुंचने का आह्वान किया। इस अवसर पर संजू गुन्दयाना, सुरेश पाल, पपल गुन्दयाना, नवाब सिंह, ईश्वर टोपरा, सुखविंदर झगूड़ी, रमेश, मांगेराम आदि मौजूद रहे।

उत्थान संस्थान के दिव्यांग बच्चों ने मनाया राष्ट्रीय महिला दिवस

समाज में महिलाओं की है हर क्षेत्र में भूमिका : बाजपेयी

महिलाओं की उन्नति में सहयोग करना, सहायक और परस्पर जुड़ी दुनिया बनाने में मदद करता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। संस्थान के दिव्यांग अपने चित्रकारी को प्रदर्शित करते हुए।

उत्थान संस्थान के दिव्यांग बच्चो द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। मौके पर बच्चो द्वारा सुंदर चित्रकारी भी की गई। इस अवसर पर उत्थान संस्थान की डायरेक्टर डॉ. अंजू बाजपई ने कहा कि हर साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एक थीम के साथ मनाया जाता है। इस साल भी संस्थान द्वारा महिला दिवस के लिए थीम गिव टू गेन तय की गई है। यह थीम गिव टू गेन अभियान उदारता और सहयोग की मानसिकता को प्रोत्साहित करती है। गिव टू गेन पारस्परिक सहयोग और समर्थन की शक्ति पर बल देता है। बाजपाई ने कहा कि जब लोग, संगठन और समुदाय उदारतापूर्वक दान करते हैं, तो महिलाओं के लिए अवसर और समर्थन बढ़ते हैं। जब महिलाएं समृद्ध होती है तो हम सभी का उत्थान होता हैं। महिलाओं की उन्नति में योगदान करना एक अधिक सहायक और परस्पर जुड़ी दुनिया बनाने में मदद करता है। आधुनिक दौर में एक महिला एक पूर्ण चक्र है उसके भीतर सृजन पोषण और परिवर्तन की असीम शक्ति है। यह शक्ति और भी प्रबल हो जाती हैं जब एक महिला घर की दहलीज से बाहर आकर खुद को कामकाजी महिलाओं की कतार में खड़ा करती है। कार्यक्रम में मौजूद महान शिक्षाविद डॉ. पीके बाजपई कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, समाज में, सियासत में, और आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की तरक्की के लिए जश्न मनाने का दिन बन चुका है। महिला दिवस मनाने का उद्देश्य समाज में महिलाओं को बराबरी का हक दिलाना साथ ही किसी भी क्षेत्र में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने के मकसद से भी इस दिवस को मनाया जाता है। इस अवसर पर संस्थान से प्रधानाचार्य रविंद्र मिश्रा, स्वाति ठाकुर, सुमित सोनी, हनी तोमर, राजेश दीपा और सन्नी आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

उपायुक्त कल सुनेंगे नागरिकों की समस्याएं

पिहोवा। एसडीएम अनिल दून ने कहा कि सोमवार को एसडीएम कार्यालय में सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस बार स्वयं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनका मौके पर समाधान करेंगे। इतना ही नहीं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा एसडीएम कार्यालय व तहसील कार्यालय का भी निरीक्षण करेंगे। एसडीएम अनिल दून ने कहा कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा पिहोवा उपमंडल के नागरिकों की समस्याओं को सुनने के लिए 9 मार्च को सुबह 10 बजे स्वयं समाधान शिविर में पहुंच रहे है और दोपहर 12 बजे तक लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सीजेरियन ऑपरेशन मुफ्त

कुरुक्षेत्र। मथाना के एसएमओ डा. सुरेश सहोता ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना मे हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशों अनुसार सफल दो बच्चे एक लडका और एक लडकी आप्रेशन से पैदा हुए है। सम्बन्धित ऑपरेशन मे दोनों माता व शिशु पूर्णतः स्वस्थ है । जिसमे एक माता गांव मथाना एवं द्वितीय गांव बीड पिपली के निवासी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना में सिजेरियन ऑपरेशन निशुल्क है। उन्होंने कहा कि आमजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना 24&7 प्रसव सेवाओ का लाभ ले सकते है तथा आप्रेशन से होने वाले बच्चों का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना मे निशुल्क लाभ ले सकते हैं।

फार्माकोविजिलेंस पर नेशनल सेमिनार 16 को

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में 16 मार्च (सोमवार) को ह्यूएएसएच एंड एच (आयुर्वेद, सिद्ध, होम्योपैथी एवं यूनानी) चिकित्सकों में फार्माकोविजिलेंस के प्रति जागरूकताह्व विषय पर नेशनल सेमिनार आयोजित किया जाएगा। सेमिनार में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के सहायक प्रोफेसर एवं आईपीवीसी के कोऑर्डिनेटर डॉ. तरुण शर्मा तथा एनपीवीसी के कोऑर्डिनेटर डॉ. बिधान महाजन बतौर रिसोर्स पर्सन अपने विचार साझा करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों में औषधियों की सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए फार्माकोविजिलेंस की जानकारी अत्यंत आवश्यक है।

छात्राओं के हरियाणा भ्रमण कार्यक्रम बारे की चर्चा

कुरुक्षेत्र। वनवासी कल्याण आश्रम की कुरुक्षेत्र इकाई द्वारा मेजर नितिन बाली गीता निकेतन विद्या मंदिर, सुंदरपुर में एक बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता जय भगवान द्वारा की गई। बैठक में वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा संचालित रुद्रपुर छात्रावास के छात्राओं द्वारा आगामी 10 अप्रैल को हरियाणा भ्रमण के समय कुरुक्षेत्र आगमन की व्यवस्था करने सम्बन्धित कार्यकतार्ओं की ड्यूटी लगाना रहा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

महिलाओं को समान अधिकार मिलने से आता है सकारात्मक परिवर्तन : मधु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

रोटरी क्लब शाहबाद मारकंडा द्वारा सरदार चनन सिंह घुम्मन मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वुमेन एम्पावरमेंट, डिग्निटी एंड ऑपर्च्युनिटी विषय पर आयोजित को-पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों तथा सरदार चनन सिंह घुम्मन मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की प्रोजेक्ट चेयरमैन श्रीमती मधु गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को सम्मान, अवसर और समान अधिकार मिलते हैं तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है और राष्ट्र की प्रगति भी सुनिश्चित होती है। रोटरी प्रधान रो. डॉ. आर. एस. घुम्मन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों को पहचानने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से ही महिलाओं को सशक्त बनाया जा सकता है और युवा पीढ़ी इस दिशा में अहम भूमिका निभा सकती है। इस अवसर पर उपस्थित डॉ. प्रोमिला ढींढसा ने कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही है।

प्रतियोगिता में पुरवी, जसप्रीत व दिव्याशी रहे प्रथम

प्रतियोगिता के परिणामों में कक्षा छठी में पुरवी ने प्रथम, मानवी ने द्वितीय तथा वेदिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अलिशा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कक्षा सातवीं में जसप्रीत प्रथम, रमनदीप कौर द्वितीय तथा इशिता तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि गीतिका को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा आठवीं में दिव्यांशी ने प्रथम, संजना ने द्वितीय तथा सिमरन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि मीनल शर्मा को सांत्वना पुरस्कार मिला। इसी प्रकार कॉलेज की छात्राओं में अंजलि ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय तथा नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अमनदीप को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर रो. दीपक कक्कड़, मोना अरोड़ा, स्कूल कोऑर्डिनेटर मनिंदर सिंह घुम्मन एवं मोनिका घुम्मन, उप-प्रधानाचार्य सतबीर सिंह, ममता जैन, अनु अग्रवाल, लीना, सीमा गर्ग, दीप्ति, सुमन लता, वनिता गुप्ता, सुषमा सैनी तथा समस्त स्कूल एवं कॉलेज स्टाफ उपस्थित रहा।

गांव डीग के लोगों को मिलेगी खेल प्रांगण व सामुदायिक केंद्र की सौगात

- अनुदान राशि जल्द ही ग्राम पंचायत को उपलब्ध करवा दी जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

शाहबाद। कैंप में लोगों की समस्याओं का समाधान करते उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अगर ग्राम पंचायत 2 से 3 एकड़ जमीन उपलब्ध करवा देगी तो युवाओं के लिए खेल प्रांगण की सौगात दी जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव में सामुदायिक केन्द्र के लिए घोषित की गई अनुदान राशि जल्द ही ग्राम पंचायत को उपलब्ध करवा दी जाएगी और जल्द ही सामुदायिक केन्द्र का निर्माण शुरू किया जाएगा। इतना ही नहीं रात्रि प्रवास में ग्रामीणों की मांग को पूरा करते कहा कि सोमवार से प्राइमरी स्कूल डीग में एक ओर टीचर की डयूटी लगाई जाएगी, इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित नहीं होगी। अभी तक डीग गांव के प्राइमरी स्कूल में 66 बच्चों को पढ़ाने के लिए केवल एक ही टीचर था। ग्रामीण की इस समस्या को पूरा करते हुए उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को सोमवार से एक ओर टीचर को गांव भेजने के निर्देश दिए। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा गांव डीग के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं और शिकायतों को सुन रहे थे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में करीब 50 शिकायतें पहुंची, इनमें से 20 शिकायतें पेंशन और परिवार पहचान पत्र तथा 15 शिकायतें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना से सम्बन्धित थी। इनमें से अधिकतर का मौके पर ही निपटारा किया गया।

डेरा फतेह सिंह में सोलर लाइट स्थापना व स्कूल बैग वितरण समारोह आयोजित

पिहोवा। रोटरी क्लब पिहोवा द्वारा समाज सेवा के अंतर्गत गांव डेरा फतेह सिंह के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, कॉपियां, पेंसिल, रबर तथा अन्य स्टेशनरी का सामान वितरित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनकी आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना था। इस अवसर पर रोटरी क्लब द्वारा गांव में जनहित को ध्यान में रखते हुए सोलर लाइटों की स्थापना भी करवाई गई। क्लब द्वारा गांव के सामुदायिक केंद्र, अस्पताल, गुरुद्वारा साहिब तथा आंगनवाड़ी केंद्र के बाहर सोलर लाइटें लगवाई गईं। गांव के सरपंच प्रतिनिधि तथा रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अवनीत वड़ैच ने बताया कि रोटरी क्लब जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए निरंतर कार्य करता रहा है। उन्होंने बताया कि क्लब द्वारा कई स्कूलों में बच्चों के लिए बेंच, स्टेशनरी, वाटर कूलर की व्यवस्था तथा स्वच्छ शौचालयों का निर्माण भी करवाया गया है। इस अवसर पर कुलदीप सिंह मुल्तानी, महेंद्र सिंह, रोटरी क्लब प्रधान डॉ. अमित अरोड़ा, परमजीत चट्ठा, प्रीतम सिंह मल्ली,जोगिंदर बेदी, स्वर्ण सिंह वड़ैच, इंद्रजीत सिंह वड़ैच, सत्यनारायण जिंदल, नवतेज सिंह रंधावा, लखविंदर सिंह, विद्यालय के प्रिंसिपल यामीन अहमद, टीचर सुखजिंदर सिंह तथा गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सरस्वती धाम में बोटिंग सुविधा शुरू आकर्षण का केंद्र बनेगा तीर्थ स्थल

- सरस्वती धाम एक अत्यंत पवित्र और आस्था का केंद्र : किरमच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि सरस्वती नगर स्थित सरस्वती धाम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार बोटिंग की सुविधा शुरू कर दी गई है। लंबे समय से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की मांग को देखते हुए यह सुविधा प्रारंभ की गई है, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को एक नया अनुभव मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरस्वती धाम एक अत्यंत पवित्र और आस्था का केंद्र है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु अपने पूर्वजों की स्मृति में जलामचन करने तथा धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आते हैं। हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हैं। इस स्थान के प्रति लोगों की गहरी आस्था और विश्वास है, जिसके कारण यहां देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। धूमन सिंह किरमच ने बताया कि सरस्वती सेवा समिति का भी लंबे समय से यह उद्देश्य रहा है कि सरस्वती धाम में बोटिंग की सुविधा शुरू की जाए, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को धार्मिक आस्था के साथ-साथ प्राकृतिक वातावरण का भी आनंद मिल सके।

तापमान बढ़ने पर गेहूं की फसल को लेकर कृषि वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मौसम परिवर्तन के अनुसार तापमान में वृद्धि हो रही है तो कृषि विशेषज्ञ एवं कृषि वैज्ञानिक इसे सामान्य से अधिक बता रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह के अनुसार तापमान में सामान्य से अधिक वृद्धि गेहूं की फसल को प्रभावित करती है। उन्होंने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसार बताया कि उच्च तापमान 35 डिग्री से अधिक में गेहूँ की फसल को बचाने के लिए हल्की और नियमित सिंचाई सबसे जरूरी है।

पोटाशियम नाइट्रेट का छिड़काव करें : सीबी

मार्च में बढ़ते तापमान से बचाव हेतु पोटाशियम नाइट्रेट का छिड़काव करें। हवा तेज होने पर सिंचाई से बचें ताकि फसल न गिरे। डा. सीबी सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन अनुसार उच्च तापमान में गेहूं की फसल के बचाव के लिए जब दिन का तापमान 35 डिग्री से ऊपर जाए, तो गेहूं में हल्की सिंचाई करें। उन्होंने कहा कि अगर फव्वारा सिंचाई की सुविधा हो, तो दोपहर में तापमान बढ़ने पर 30 मिनट के लिए फव्वारे से सिंचाई करें, यह तापमान को कम रखने में बहुत प्रभावी है। डा. सीबी सिंह ने कहा कि किसानों को मौसम के संबंध में समय समय पर कृषि अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों से परामर्श करना चाहिए।

मारकंडेश्वर शिव मंदिर में भागवत कथा आज से

शाहबाद। नगर के मारकंडेश्वर शिव मंदिर में आठ दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा 8 मार्च रविवार से 15 मार्च तक शाम को 4 बजे से 8 बजे तक होगी जिसमें ब्यास पीठ से वृंदावन धाम से पधारे रवि नंदन शास्त्री अपने मुखारविंद से भागवत की कथा करेंगे। कथा से पूर्व मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकाली गई जिसमें भारी संख्या में महिला श्रद्धालु मौजूद रही। शास्त्री ने बताया श्रीमद्भागवत महापुराण (भागवत) सनातन धर्म का सर्वोच्च भक्ति ग्रंथ है, जो भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से ज्ञान, कर्म और भक्ति का मार्ग दिखाता है। यह आत्म-शुद्धि, मानसिक शांति, मोक्ष प्राप्ति और जन्म-जन्मांतर के पापों के नाश का साधन माना जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य हरि को हृदय में स्थापित करना है। इसी पुण्य कार्य का आयोजन श्रीमारकण्डेश्वर महादेव जी की असीम कृपा से श्रीमारकंडेश्वर महादेव शिव मंदिर सभा के तत्वाधान में प्राचीन श्री शिव मंदिर में किया जा रहा है जिसमे व्यास भगवान जी रूप में परम पूज्य रवि नंदन शास्त्री महाराज अपने मुखारविंद से श्री मद भागवत कथा का रसपान करवाएँगे और परम सौभाग्य से हम सभी स्वयं को भाव स्वरूप परीक्षित रूप में बैठ कर कथा सुनेंने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

स्वामी ज्ञानानंद व श्रीहित अम्बरीश ने किए मां भद्रकाली शक्तिपीठ में दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आज पवित्र भूमि कुरुक्षेत्र स्थित माँ भद्रकाली शक्तिपीठ में आस्था और श्रद्धा का अनुपम दृश्य देखने को मिला, जब परम श्रद्धेय महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज व वृंदावन से प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु, वक्ता और गायक श्रीहित अम्बरीश माँ भद्रकाली के पावन दरबार में उनके दिव्य आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए पहुंचे। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा के नेतृत्व में टीम शक्तिपीठ द्वारा पुष्पगुच्छ अर्पित कर उनका विशेष स्वागत किया गया। इसके पश्चात पूज्य महाराज व श्रीहित अम्बरीश, मुख्य पुजारिन माता शिमला देवी व पीठाध्यक्ष के साथ पावन शक्तिस्थल श्रीदेवीकूप पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने माँ के चरणों में विधिवत पूजा-अर्चना कर श्रद्धापूर्वक माथा टेका। इस अवसर पर पीठाध्यक्ष ने गीता मनीषी का व श्रीहित अम्बरीश का माँ की लाल शक्ति चुनरी एवं पुष्पमाला अर्पित कर भव्य अभिनंदन किया। पीठाध्यक्ष ने उन्हें माँ का प्रसाद व चित्र देकर कामना की कि गीता मनीषी पूज्य स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के दिव्य ज्ञान का प्रकाश इसी प्रकार देश-विदेश में फैलता रहे और उनके प्रेरणादायी गीता उपदेशों से समाज में धर्म, कर्म, सेवा और मानवता के श्रेष्ठ संस्कार निरंतर जागृत होते रहे। गीता मनीषी स्वामी ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन भूमि और माँ भद्रकाली शक्तिपीठ का सनातन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। माँ की असीम कृपा से यह स्थान भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

नई फैंटेसी राइड सुविधा का किया उद्घाटन

- कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। पैनोरमा में 3-डी फिल्म देखते अतिथिगण।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक इकाई कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र में आधुनिक तकनीक पर आधारित नई फैंटेसी राइड सुविधा का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्राम कुमार मीना, आईएएस, उपायुक्त, कुरुक्षेत्र द्वारा विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील धींगरा, निदेशक, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, विजय शंकर शर्मा, निदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली, डॉ. सुरेश कुमार सोनी, परियोजना समन्वयक, कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र, जय भगवान सिंगला समाजसेवी, मनोज कुमार, प्रभारी, शेख चिल्ली मकबरा, कुरुक्षेत्र तथा सरदार चरणजीत सिंह, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल की उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि विश्राम कुमार मीना, आईएएस, उपायुक्त, कुरुक्षेत्र ने अपने संबोधन में कहा कि कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र के आज 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

25 वर्षों से महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा

डॉ. सुनील धींगरा, निदेशक, वकएल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र पैनोरमा पिछले 25 वर्षों से समाज और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है, जो वास्तव में सराहनीय है। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र के परियोजना समन्वयक डॉ. सुरेश कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 मार्च 2001 को इस केन्द्र का उद्घाटन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था और आज केन्द्र ने अपने 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। इन वर्षों में केन्द्र में भारतीय वैज्ञानिक विरासत गैलरी, फन साइंस गैलरी, तारामंडल, साइंस पार्क जैसी अनेक सुविधाएं विकसित की गई हैं।

थानेसर। बैठक में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की पदाधिकारी व सदस्य।

बैठक में समाजसेवी वीरभान मित्तल के निधन पर किया शोक व्यक्त

थानेसर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष एवं श्रीवैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला की अध्यक्षता में निकट रेलवे स्टेशन अग्रवाल धर्मशाला के कार्यालय में हुई। इस बैठक में नगर के प्रमुख समाजसेवी वीरभान मित्तल के निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए शोक व्यक्त किया गया। विशाल सिंगला ने वीरभान मित्तल द्वारा समाज हित में किए कल्याण कार्यों को याद करते हुए कहा कि बुजुर्गों से हमेशा समाज को सही मार्गदर्शन मिलता है। ऐसे बुजुर्गों के चले जाने से समाज को पहुंची क्षति को पूरा नहीं किया जा सकता है। उनके द्वारा समाज हित में बताए कार्यों को पूरा करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। इस मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सभी सदस्यों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बैठक में चेयरमैन अजय गोयल, जिला अध्यक्ष नवीन सिंगला, सुरेश गर्ग, दिवाकर बंसल, बृज मोहन गर्ग, गौरव मित्तल, अंकुश गर्ग इत्यादि भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में होगा विशेष जागरूकता कार्यक्रम

उपभोक्ता सुरक्षा तथा शिकायत निवारण से संबंधित विषयों पर जागरूक किया जाएगा

14 मार्च को धर्मनगरी कुरुक्षेत्र पहुंचेगी उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। जानकारी देते अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान कृष्ण श्योकंद व मौजूद अन्य।

कंज्यूमर्स कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा देशभर में उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा का भव्य आगमन 14 मार्च को प्रातः 11 बजे धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में होगा। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में एक विशेष उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस यात्रा का नेतृत्व सीसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनन्त शर्मा कर रहे हैं। हरियाणा में यात्रा के आगमन पर कंज्यूमर्स कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार भोला एवं अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान कृष्ण श्योकंद व समस्त कार्यकारणी द्वारा यात्रा का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सीसीआई हरियाणा के अध्यक्ष राजकुमार भोला, अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला के प्रधान कृष्ण श्योकंद, सीसीआई प्रदेश संरक्षक मुकेश कुमार शर्मा एवं प्रदेश आईटी प्रमुख राकेश श्योकंद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में लें भाग

सीसीआई हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार भोला ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्यूरो (इकर) के अधिकारी भी विशेष रूप से शामिल होंगे। इस अवसर पर उपभोक्ता अधिकारों, उत्पादों की गुणवत्ता, उपभोक्ता सुरक्षा तथा शिकायत निवारण से संबंधित विषयों पर विशेष संवाद एवं जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान कृष्ण श्योकंद ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज के हर वर्ग तक उपभोक्ता जागरूकता का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इससे लोग धोखाधड़ी, भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं से स्वयं को सुरक्षित रख सकेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी प्राप्त करें और एक जागरूक एवं सशक्त उपभोक्ता समाज के निर्माण में योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत बनाने, लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

आदेश मेडिकल अस्पताल में दो नए मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर शुरू

कुरुक्षेत्र। मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कालेज एवं अस्पताल ने अपनी सर्जिकल सुविधाओं को और सुदृढ़ करते हुये दो नये अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर शुरू किये हैं। इनकी स्थापना के साथ ही अस्पताल में कुल ऑपरेशन थियेटरों की संख्या बढकर 13 हो गई है। नये स्थापित मॉड्यूलर ओ.टी. का निरीक्षण आदेश ग्रुप के चेयरमेन, एम.डी. और प्रिंसीपल ने किया और फैकल्टी सदस्यों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ तथा तकनीकी टीम के साथ बातचीत भी की। इस दौरान बातचीत करते हुए आदेश ग्रुप के चेयरमेन डा.एच.एस. गिल ने कहा कि इस विस्तारीकरण का उद्देश्य अस्पताल में सर्जरी की क्षमता बढ़ाना तथा मरीजों को सुरक्षित, आधुनिक और प्रभावी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाना है। चेयरमेन डा.एच.एस. गिल ने अपने संबोधन में कहा कि इन उन्नत मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटरों की स्थापना से अस्पताल की विभिन्न प्रकार की सर्जिकल प्रक्रियायें करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

खबर संक्षेप

चोरी का सामान खरीदने वाला कबाड़ी पकड़ा

अंबाला। जिला पुलिस ने जग्गी सिटी सेंटर में हुई एयर कंडीशनर के कॉपर पाइप चोरी की वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता सागर ने थाना बलदेव नगर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 22 और 23 फरवरी की दरम्यानी रात चोरों ने सिटी सेंटर से एसी के कॉपर पाइप चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच करते हुए मुख्य आरोपी रोहित कुमार को काबू किया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी हरीश कुमार को भी गिरफ्तार किया गया।

जेवरात चुराने वाली तीन महिलाएं काबू

अंबाला। सीआईए टू की टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने ई-रिक्शा में महिला यात्री को बातों में उलझाकर उसके सोने के जेवरात चोरी करने के मामले में संलिप्त तीन महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 15 हजार रुपये की नकदी बरामद की गई है।
सीआईए-2 प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि 5 फरवरी 2026 को एक महिला ने थाना अंबाला छावनी में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, जब वह माया वाला चौक से ई-रिक्शा में सवार थी, तभी तीन महिलाएं रिक्शा में बैठीं। उन महिलाओं ने बातों ही बातों में और बच्चे की मदद से शिकायतकर्ता का ध्यान भटकाया और बड़ी सफाई से उसकी सोने की चेन व बालियां चोरी कर लीं। पुलिस ने जांच के दौरान तीनों आरोपी महिलाओं को अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से काबू किया। आरोपियों को को अब जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने वांछित आरोपी तिलक राज उर्फ हांडी को काबू किया है। अदालत ने आरोपी को पीओ घोषित किया हुआ था। अब उसे जेल भेज दिया गया है।
प्रबंधक थाना अंबाला छावनी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वर्ष 2018 में मामला दर्ज हुआ था। मामले में आरोपी को न्यायालय द्वारा पीओ घोषित किया गया था। पुलिस ने अब मुकदमें में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गाड़ी की चपेट में आने से घायल युवक की मौत

अंबाला। अंबाला- हिसार रोड स्थित अंबाला पब्लिक स्कूल के पास होली वाले दिन कार में चपेट में आकर घायल हुए वाराणसी के 29 वर्षीय आशीष विश्वकर्मा ने दम तोड़ दिया। 4 मार्च से आशीष चंडीगढ़ पीजीआई में उपचाराधीन थे। 5 मार्च की रात को आशीष ने आखिरी सांस ली। होली पर एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने युवक की बाइक को पीछे से टक्कर मारी थी। पुलिस ने मृतक की पत्नी अंजलि की शिकाय पर कार चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। अभी तक पुलिस को आरोपी कार चालक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस की मानें तो आरोपी वाहन चालक की पहचान के बाद जल्द ही उसे काबू किया जाएगा।

नशा सप्लायर को भेजा कारावास

अंबाला। पुलिस ने नशा सप्लायर आशीष उर्फ अंडा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को रिमांड के बाद जेल भेज दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि आरोपी आशीष उर्फ अंडा को बीते 13 फरवरी को ही अवैध हथियार रखने के एक मामले में जमानत मिली थी। लेकिन जेल से बाहर आते ही उसने सुधार की जगह फिर से अपराध की राह चुनी और युवाओं को नशे के दलदल में धकेलना शुरू कर दिया। आरोपी को पुलिस ने 13 ग्राम हेरोइन तस्करी मामले में काबू किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी आशीष के खिलाफ पहले भी नशा तस्करी, अवैध हथियार, लड़ाई झगड़े से संबंधित थाना महेश नगर व थाना अंबाला छावनी में लगभग 6 मामले दर्ज हैं।

विश्व महिला दिवस पर विशेष: समान अधिकार और सम्मान के लिए जागरूकता जरूरी

महिलाओं के सशक्तीकरण से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति संभव

हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

हर वर्ष 8 मार्च को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्री महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, समाज में समानता का संदेश देना और महिलाओं के योगदान को सम्मान देना है। मौजूदा समय में महिलाएं शिक्षा, राजनीति, खेल, विज्ञान, प्रशासन और व्यापार सहित लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इसके बावजूद समाज में कई स्थानों पर महिलाओं को अभी भी बराबरी का दर्जा नहीं मिल पाया है। देश में महिलाओं ने अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर उच्च पदों तक पहुंचकर देश का नाम रोशन किया है। देश की मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अलावा पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार, वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा, पूर्व विदेश सचिव निरूपमा राव, बसपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी, गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल तथा राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जैसी अनेक महिलाओं ने राजनीति और प्रशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।इसके अलावा खेल और विज्ञान के क्षेत्र में भी भारतीय महिलाओं ने देश का गौरव बढ़ाया है। अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में जाकर भारत का नाम विश्व पटल पर चमकाया, जबकि बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने खेल जगत में भारत को नई पहचान दिलाई।

कोख में हो रही लड़कियों की हत्या

हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिए गए हैं लेकिन व्यवहारिक रूप में अभी भी महिलाओं का सामाजिक स्तर पुरुषों के मुकाबले कम दिखाई देता है। सरकार की सख्ती के बावजूद कई स्थानों पर लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही भ्रूण हत्या के माध्यम से मार दिया जाता है। या शादी के बाद दहेज के लिए उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। इन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज को जागरूक करना और सख्त कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करना जरूरी है।
-**कुलविंद्र कांबोज**, मेकअप आर्टिस्ट।

मुख्यधारा में शामिल हों महिलाएं

सरकार को महिलाओं को आर्थिक विकास की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास करने चाहिए। महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना, गरीब महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और लड़कियों की उच्च शिक्षा के लिए बेहतर प्रबंध करना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही समाज को भी अपनी सोच में बदलाव लाना होगा, ताकि महिलाओं को हर क्षेत्र में सम्मान और समान अवसर मिल सकें।
-**दिव्या कपूर**, सदस्य, नगरपालिका।

रिश्ते संवारने वाली शक्ति है नारी

बंतो कटारिया।

अंबाला। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सभी प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जब महिलाओं को राष्ट्रीय, भाषाई, सांस्कृतिक, आर्थिक या राजनीतिक सीमाओं में उनकी उपलब्धियों के लिए मान्यता दी जाती है। कटारिया ने कहा नारी केवल एक शब्द नहीं बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आधार है। वह जीवनदायिनी है, प्रेम की मूर्ति और रिश्ते संवारने वाली शक्ति है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता, और त्याग का स्वरूप माना गया है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के हितार्थ चलाई जाने वाली योजनाओं चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश व देश की महिलाएं सशक्त हो, उनके चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व शिक्षा को ध्यान में रखते हुए लखपति दीदी जैसी योजनाओं पर धरातल पर लाया गया। महिलाओं को सशक्त करने एवं उन्हें समान अवसर प्रदान करने के लिए संसद में एक तिहाई आरक्षण देकर महिलाओं की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण माना है। बंतो ने कहा इस वर्ष का यह विषय सभी के लिए समान अधिकार, शक्ति और अवसर प्रदान करने तथा एक समावेशी भविष्य के लिए कार्य करने का आह्वान करता है जहां कोई भी पीछे न छूटे। इस दृष्टिकोण का मुख्य लक्ष्य अगली पीढ़ी यानि युवाओं, विशेष रूप से युवा महिलाओं और किशोरियों को स्थायी परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में सशक्त बनाना है।

महिलाओं को मिले प्रतिनिधित्व

संविधान में संशोधन कर स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33.3 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। कई राज्यों में यह आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक भी किया गया है। इसी प्रकार लोकसभा और विधानसभाओं में भी महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का अवसर मिलेगा और वे निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।
-**रेणू शर्मा**, टीचर

अंबाला। रक्तदाताओं को सम्मानित करती बीके बहनें। *फोटो: हरिभूमि*

शिविर में 65 ने किया रक्तदान

इंसानी शरीर से ही होती है रक्त की पूर्तिः आशा

■ ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

अंबाला छावनी के दयालबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विवि में ही विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।शिविर में 65 रक्त वीरों ने रक्तदान किया। इसमें कई ब्रह्माकुमारी बहनें भी शामिल रही। शिविर में आए सभी रक्तदाताओं को मेडल, सर्टिफिकेट, ईश्वरीय कैलेंडर व डाइट दी गई। अंबाला सब जोन निर्देशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने रक्तदाताओं का धन्यवाद करते हुए संदेश दिया रक्त की कोई फ़ैक्ट्री नहीं है इसलिए हमें रक्त दान ज़रूर देना चाहिए। हमारे रक्त दान से किसी की ज़िंदगी बच सकती है। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे इंडस्ट्रियल एरिया रोटरी क्लब प्रधान डॉक्टर जोगिंदर सिंह ने कहा की समाज की वास्तविक सेवा यही है जो मानवता को जीवन देती है। इस तरह के प्रयास समाज में मानवता और भाईचारे को मज़बूत करते हैं। उन्होंने भी इस अवसर पर 60वीं बार रक्तदान किया। जोनल कॉऑर्डिनेटर समाज सेवा प्रभाग ब्रह्माकुमारीज़ व शाहाबाद ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीति दीदी ने कहा इस अभियान का उद्देश्य केवल रक्त की आवश्यकता को पूरा करना ही नहीं है बल्कि समाज में भाईचारे, निस्वार्थ सेवा और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना भी है।
इस अवसर पर वार्ड नंबर 5 के सदस्य जीवन कुमार उद्योगपति पीयूष, सीनियर अधिवक्ता कमलेश गुप्ता, सहयोग सोसाइटी प्रधान गिरीश, युवा मोर्चा प्रधान संजय सिसोदिया, कर्नल आरडी सिंह, विशाल गुप्ता, आशीष जायसवाल , डॉक्टर सुरेंद्र अरोड़ा, पूर्व रोटरी क्लब प्रधान दिलीप मेहता मौजूद रहे। मोटीवेशनल स्पीकर बीके राकेश मेहता 51 वीं बार रक्तदान किया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली दीदी ने सभी को मेडिटेशन कराया।

समरीत अव्वल, यशोदा द्वितीय

■ स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

लार्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय अधोया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और प्रेरणादायक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में बीएड एवं डीएलएड. के विद्यार्थियों के लिए स्लोगन लेखन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर अपने विचार रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किए। स्लोगन प्रतियोगिता में समरीत ने प्रथम स्थान, यशोदा ने द्वितीय स्थान नसीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

विजेताओं को किया सम्मानित

विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा सभी को महिला सशक्तिकरण का संदेश समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

सुहासिनी मित्तल ने यूपीएससी में पाया 413वां रैंक

■ बेटी की कामयाबी से कस्बे में जश्न का माहौल, मुंबई आईआईटी से की पोस्ट ग्रेजूएशन

हरिभूमि न्यूज ⏭शहजादपुर

कस्बे की होनहार बेटी सुहासिनी मित्तल ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण कर 413वां रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। सुहासिनी मित्तल कस्बे के रहने वाले संजीव मित्तल की सुपुत्री है। संजीव सीमेंट व सरिया की दुकान है। उनकी माता प्रतिभा मित्तल शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। वे गेस्ट टीचर के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। सुहासिनी ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और परिवार के सहयोग से यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। मार्केट कमेटी के चेयरमैन गोपाल मित्तल ने भी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सुहासिनी मित्तल ने अपनी कड़ी मेहनत से कस्बे का नाम पूरे देश में रोशन किया है। उन्होंने सुहासिनी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

■ उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

शहजादपुर। सुहासिनी मित्तल की कामयाबी पर जश्न मनाते परिजन व सुहासिनी का फोटो।

शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही

सुहासिनी मित्तल ने बताया कि यूपीएससी परीक्षा में उनका 413वां रैंक आया है। उन्होंने आईआईटी मुंबई से गणित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन किया हुआ है। सुहासिनी के पिता संजीव मित्तल ने बताया कि उनके दो बच्चे हैं जिनमें सुहासिनी बड़ी हैं, जबकि बेटा राघव मित्तल उनसे छोटा है। बेटा वर्तमान में गुरुग्राम में नौकरी कर रहा है। सुहासिनी की दादी श्यामा देवी सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका ने अपनी पोती की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण से ही सफलता प्राप्त होती है। उनकी माता प्रतिभा मित्तल ने कहा कि सुहासिनी शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही है। उसने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की।

कार की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

■ मृतक की पहचान गांव रसीदपुर के रहने वाले लगभग 55 वर्षीय बलदेव के रूप में हुई।

हरिभूमि न्यूज ⏭शहजादपुर

राष्ट्रीय राजमार्ग 344 पंचकूला यमुनानगर मार्ग पर शहजादपुर के नजदीक कार की चपेट में आने से एक लगभग 55 वर्षीय साइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव रसीदपुर के रहने वाले लगभग 55 वर्षीय बलदेव के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि हादसा एक दूसरी कार को ओवरटेक करते हुए हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार गांव रसीदपुर निवासी करीब 55 साल का बलदेव शनिवार बाद दोपहर अपनी साइकिल पर शहजादपुर में भंडारा खाने जा रहा था जब बलदेव शहजादपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग 344 पर पहुंचा और सड़क क्रॉस करने लगा तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।

शहजादपुर। हादसे को अंजाम देने वाली क्षतिग्रस्त कार। *फोटो: हरिभूमि*

कार्रवाई प्रारंभ

बताया जा रहा है कि बलदेव की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव और कार को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी शहजादपुर अशोक कुमार ने बताया कि कार को कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवा दिया गया है।

युवक की हत्या की गुत्थी सुलझी, छीनाझपटी के दौरान तीन युवकों ने उतारा था मौत के घाट

आरोपी ने शुरुआती जांच में हत्या की बात कबूली

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

- साहा थाना पुलिस ने चाकू मारने वाले मुख्य आरोपी वजीदपुर गांव के विकास को काबू किया
- पुलिस ने मामले में दो अन्य की भी गिरफ्तारी कर ली

होली पर चाकू से हत्या कर दिनारपुर गांव के गन्ने के खेत में फेंके गए बिहार के अररिया के अर्जुन के मामले की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। साहा थाना पुलिस ने चाकू मारने वाले मुख्य आरोपी वजीदपुर गांव के विकास को काबू किया है। साहा थाना प्रभारी कर्मबीर ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह छीना झपटी के इरादे से अपने दो अन्य साथियों के संग बाइक पर था, तभी साइकिल से गुजर रहे अर्जुन को छीनाझपटी के इरादे से रोका था। विरोध करने पर उस पर चाकू से वार किए थे। आरोपी एक फैक्टरी में मजदूरी करता है। उधर पुलिस ने इस मामले में दो अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी कर ली है लेकिन अभी तक उसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। बता दें कि दिनारपुर गांव में बस अड्डा के पास गन्ने के खेत में होली वाले दिन अर्जुन का शव मिला था। युवक की छाती व पेट पर चाकूनुमा हथियार से कई वार थे जिससे आंतें तक बाहर निकल गई थी। मृतक शादीशुदा था व दिनारपुर गांव में गन्ने की छिलाई का काम करता था। पुलिस ने कैंट के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजन शव को बिहार ले गए हैं। वहीं उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कैथल। दोनों आरोपी स्पेशल डिटेक्टिव युनिट पुलिस गिरफ्त में।

अवैध पिस्तौल व 4 जिंदा रौंद सहित आरोपी काबू

कैथल। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट की टीम ने एक आरोपी को अवैध देशी पिस्तौल व 4 जिंदा कारतूस सहित काबू कर लिया गया। आरोपी से पूछताछ उपरांत उसको असला सप्लाई करने वाले आरोपी को भी तुरंत काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी एसआई मुकेश की अगुवाई में एचसी हरीश कुमार की टीम गश्त दौरान एनएच 152 चंदाना कट के पास मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि गांव पाई निवासी नरेश उर्फ फिकर गांव बाता से बालू रोड पर रजबाहा पुलिया के पास अवैध हथियार सहित खड़ा है। जिसे दबिश देकर काबू किया जा सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत उक्त स्थान पर दबिश दी गई। उक्त स्थान पर रजबाहा पुलिया पर बैठे युवक द्वारा पुलिस टीम को देखकर गांव बालू की तरफ भागने का प्रयास किया गया, जिसे सतर्क पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान गांव पाई निवासी नरेश कुमार उर्फ फिकर के रूप में हुई। जांच दौरान आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्तौल (315 बोर) तथा 4 जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ थाना कलायत में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एचसी देवेंद्र द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने मंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना की

विज का सिविल सेवा परीक्षा में 243वां रैंक हासिल करने वाले मुकुल ने भी आशीर्वाद लिया

विधानसभा अध्यक्ष ने परिवहन मंत्री अनिल विज का जाना हालचाल

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के अंबाला छावनी स्थित आवास पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने पहुंच उनका हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान दोनों नेताओं में चर्चा भी हुई। विज के आवास पर सिविल सेवा परीक्षा में 243वां रैंक हासिल करने वाले अंबाला छावनी के मुकुल जिंदल ने भी आशीर्वाद लिया। मुकुल के पिता सुमित जिंदल सहित अन्य भी मौजूद रहे। स्वतंत्रता सेनानी के प्रपौत्र मुकुल की सफलता पर मंत्री विज ने लड्डू खिलाते शुभकामनाएं दी।

अंबाला। विस अध्यक्ष मंत्री अनिल विज से मुलाकात करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

जनसेवा कार्यों में लौटाने की कामना की

उन्होंने कहा कि यह सफलता न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे अंबाला के लिए गर्व का विषय है। गौरतलब है कि मुकुल ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की है और सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) उत्तीर्ण की है। मंत्री अनिल विज के आवास पर अंबाला फुटबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंत्री अनिल विज का हालचाल जाना व उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान बीएस बिंद्रा, अरुण कांत, अरविंद, केपी सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मंत्री से पूर्व श्रम मंत्री अनूप धानक, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, रोहतक से भाजपा नेता पदम ढुल सहित कई राजनेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली व जल्द स्वस्थ होकर जनसेवा कार्यों में लौटाने की कामना की। मंत्री अनिल विज का हालचाल जानने पहुंचे संत विकास दास महाराज ने उनकी प्रशंसा करते हुए "अनिल विज फिर से तेरी मेहनत रंग लाएगी .... पंक्तियां गुनगुनाई।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
विशेष
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
P-1
रोहतक,रविवार 8 मार्च 2026

हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लद गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अभी सुबह के 4 बज रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसे एक्सक्लूसिविली पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।

गढ़ रहीं जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गईं कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बदौलत भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रहीं सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है। एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रहीं वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण माने गए चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनी है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारत की युवा महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। ये छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों की नई कहानी रच रही हैं। *

बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग इन्हें अपने साख से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनातीं महिलाएं

{ बदलाव / अपराजिता }

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन के कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब अचानक नहीं आया, इसके पीछे दशकों की शिक्षा, आर्थिक अवसरों का विस्तार तथा आत्मसम्मान की नई जागृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं सबके चलते विवाह जो कभी जीवन का एकमात्र प्रथम और आखिरी लक्ष्य हुआ करता था, आज की महिलाओं के लिए वह एक वैकल्पिक बन चुका है।

सोच में आया बड़ा बदलाव: पहले के दौर में जहां लड़कियां परिवार और समाज के दबाव में अपनी शिक्षा और करियर को लेकर समझौता कर लेती थीं, आज वे कतई ऐसा नहीं कर रही हैं। आज युवा महिलाएं अपनी पहचान का केंद्र विवाह को नहीं, अपनी निजी उपलब्धियों (जिनमें करियर और उनकी अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं। दिल्ली, बेंग्लुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।

मनमुताबिक ले रहीं निर्णय: अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं की इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी नजरों से देख सकती हैं, समझ सकती हैं और अपने संबंध में बेहतर विकल्प चुन सकती हैं। यह स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। इस बदलाव में परिवार की भूमिका भी कहीं न कहीं शामिल है। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- सिविल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिनके अब स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्णायक बन रही हैं।

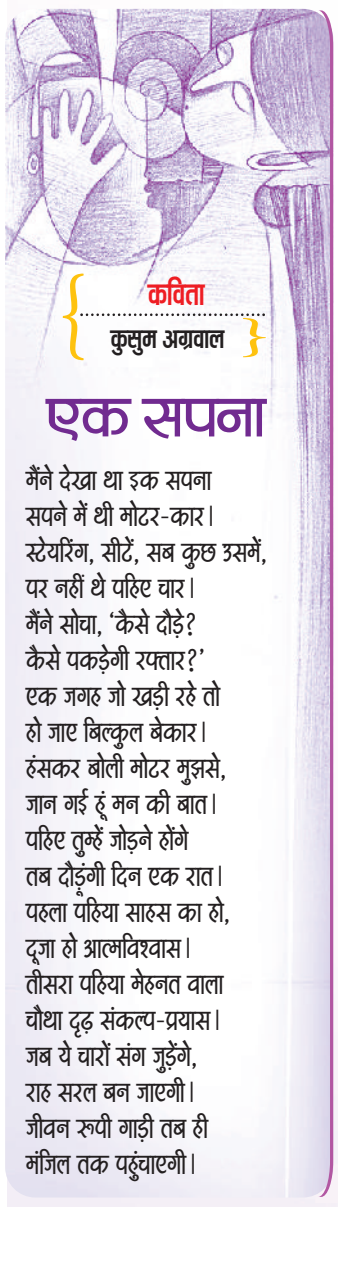

{ कविता / कुसुम अग्रवाल }

एक सपना

मैंने देखा था इक सपना
सपने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेगी रफ्तार?'
एक जगह जो खड़ी रहे तो
हो जाए बिल्कुल बेकार।
हंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई हूं मन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने होंगे
तब दौड़ूंगी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूजा हो आत्मविश्वास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरल बन जाएगी।
जीवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

{ लघुकथाएं }

सपनों की उड़ान

तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूं?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूं, समझ नहीं आ रहा मुझे!' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

एआई इमेज

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी रुटीन के हिसाब से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं। मैं तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूं। तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।

'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।

'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।

रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगते देख उसकी आंखें छलछला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

हार्दिक शुभकामनाएं !

शांति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।

'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटी को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कलेजे के टुकड़े को दूध पिलाकर लाड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।

एआई इमेज

'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।

बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...।'

'चल तू अपना काम कर... फालतू की पंचायत मत कर।'

ठेकेदार ने बेला को डांटा।

उसी समय एक सफेद चमचमाती कार आकर रुकी। उसमें से एक भद्र महिला बाहर निकली। ठेकेदार दौड़ता हुआ उसके पास पहुंचा। उन्हें एक गुलदस्ता देते हुए बोला, 'मैडम, महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' *

-गोविंद भारद्वाज

घरेलू महिला

आशी को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रखा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसी की किश्त जमा कर देना जरा।'

इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसी के रुपए आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता इससे।' बड़बड़ करता पवन पूजा घर में पहुंचा।

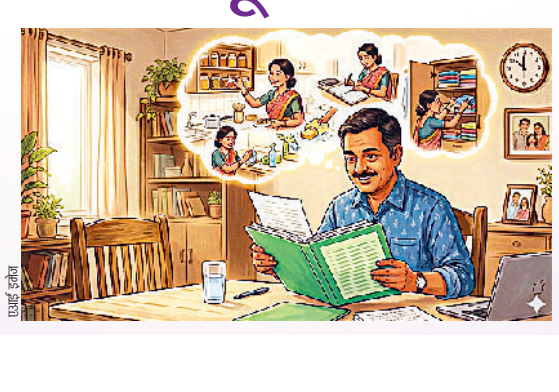
एआई इमेज

हरी फाइल एक नजर में ही ऊपर रखी दिख गई। उसने फाइल को खोला। ऊपर ही वह पॉलिसी रखी थी। उसके बाद उत्सुकता से पवन ने पूरी फाइल पलटकर देख ली। एक-एक कागज को करीने से उसमें रखा गया था। एक सूची भी अलग से बना रखी थी कि किस साल कौन-सी पॉलिसी मैच्योर हो रही हैं। इतना ही नहीं एक छोटी-सी नोटबुक में पासवर्ड भी लिखे थे। आशी को पवन बस घरेलू महिला ही मानता था। लेकिन उसका तो हर काम इतना सलीके से होता है। पवन ने पॉलिसी के रुपए जमा कर दिए। फाइल को करीने से यथास्थान रख दिया।

अब वह अपने शेल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्त्री केंद्रित कहानियां

समाज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुंशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की मुख्य पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दांपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अस्मिता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तक: प्रेमचंद की स्त्री कथाएं,
संपादन: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: राजपाल एंड संस, दिल्ली

विगत 5 मार्च से आरंभ हुआ गोवा का शिग्मो उत्सव, आगामी 18 मार्च तक आयोजित होगा। यह गोवा की सांस्कृतिक पहचान है। यह उत्सव स्थानीय निवासियों की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और उन्हें अपनी परंपरा पर गर्व करने का अवसर भी देता है। इस उत्सव की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

गोवा की लोक-संस्कृति का रंगोत्सव शिग्मो

सांस्कृतिक पर्व

धीरज बसाक

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित गोवा, अपनी समुद्र तटीय सुंदरता के कारण पर्यटकों के बीच जितना लोकप्रिय है, उतना ही अपने समृद्ध लोक संस्कृति के कारण भी यह प्रसिद्ध है। गोवा लोक संस्कृति का सबसे समृद्ध घर माना जाता है और इस समृद्ध लोक संस्कृति का सबसे जीवंत और रंगीन प्रतीक है शिग्मो फेस्टिवल या शिग्मो उत्सव। शिग्मो उत्सव केवल एक वार्षिक पर्व भर नहीं है, बल्कि गोवा के ग्रामीण जीवन, लोक परंपराओं, लोक नृत्यों और ऐतिहासिक स्मृतियों का संवेदनशील और सामूहिक उत्सव भी है।

वसंत के आगमन का उत्सव

वास्तव में शिग्मो, गोवा का पारंपरिक वसंत उत्सव है, जो होली से शुरू होकर चैत्र माह में एक पखवाड़े तक मनाया जाता है। इसलिए शिग्मो उत्सव को गोवा की लोक आत्मा का उत्सव कहते हैं। क्योंकि इसमें यहां के किसान, मजदूर और ग्रामीण समुदायों की जीवनशैली, उनकी आस्था और उनकी ऐतिहासिक चेतना पूरी भव्यता के साथ अभिव्यक्त होती है। शिग्मो का अर्थ है शिशिरोत्सव अर्थात शीत ऋतु के अंत और वसंत के आगमन का उत्सव। यह पर्व प्राचीन काल से गोवा के कुछ समुदायों द्वारा मनाया जाता रहा है। फसल कटाई के बाद जब किसान अपनी मेहनत के फल से संतुष्ट होते हैं तो प्रकृति और देवताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शिग्मो उत्सव मनाते हैं।

एक हजार साल पुराना उत्सव

इतिहासकारों के मुताबिक शिग्मो उत्सव मनाने की परंपरा कम से कम 1000 साल पुरानी है। पुर्तगाली शासन के दौरान भी गोवा के स्थानीय लोगों ने इस उत्सव को अपनी सांस्कृतिक पहचान के रूप में बनाए रखा। वास्तव में यह उत्सव गोवा के हिंदू समुदाय के लिए विशेष मायने रखता है। लेकिन इसकी लोक-रंगत और सांस्कृतिक आकर्षण के कारण आज इसमें सभी समुदायों की भागीदारी होती है।

कई लोकनृत्यों का आयोजन

शिग्मो उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पारंपरिक लोकनृत्य और संगीत के भव्य आयोजन होते हैं। इन नृत्यों में गोवा के ग्रामीण जीवन, युद्ध कथाओं, पौराणिक प्रसंगों और सामाजिक घटनाओं को प्रस्तुत किया जाता है। शिग्मो उत्सव में शामिल प्रमुख लोक नृत्यों में घोड़े मोदनी नृत्य सबसे प्रमुख है। वास्तव में यह योद्धाओं का नृत्य होता है। माना जाता है कि प्राचीनकाल में विजयी योद्धा, घोड़ों पर सवार होकर नृत्य किया करते थे। लेकिन आज लोक कलाकार घोड़े की मुखाकृति के मुखौटे पहनकर और हाथ में तलवार लेकर नृत्य करते हैं। यह नृत्य वास्तव में गोवा के गौरवमयी इतिहास का प्रतीक है। इस उत्सव का दूसरा प्रमुख नृत्य हैं-रोमातामेल। यह सामूहिक नृत्य है, इसमें कलाकार ढोल, ताशा और झांझे की धुन पर नाचते हैं। इनके अलावा जो प्रमुख नृत्य इस उत्सव में खूब देखने को मिलते हैं, उसे फुगड़ी और जागर नृत्य कहते हैं। ये नृत्य गोवा के ग्रामीण और आदिवासी जीवन को दर्शाते हैं। इन प्रमुख नृत्यों के माध्यम से गोवा में लोग शिग्मोत्सव में सदियों से चली आ रही अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करते हैं।

निकलती हैं भव्य झांकियां

शिग्मो उत्सव के दौरान गोवा के प्रमुख शहरों जैसे पणजी, मडगांव, वास्को, पोंडा और मापुसा में भव्य शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं। इन शोभा यात्राओं में रंग-बिरंगी झांकियां होती हैं, जो पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और सामाजिक विषयों को दर्शाती हैं। इन झांकियों में रामायण और महाभारत के दृश्य, गोवा के लोक देवताओं की कथाएं, पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक जागरूकता के संदेश दिए जाते हैं। यह परंपरा आधुनिक, सामाजिक चेतना का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करती है।

ग्रामीण और शहरी शिग्मो

ग्रामीण और शहरी शिग्मो उत्सव वैसे एक-दूसरे से थोड़े भिन्न होते हैं, लेकिन ये दो रूप भले अलग हों, लेकिन उनकी आत्माएं एक होती हैं। इन दो अलग-अलग यानी शहरी और ग्रामीण शिग्मो को क्रमशः धाकटो शिग्मो यानी छोटा शिग्मो और व्हाडलो शिग्मो यानी बड़ा शिग्मो कहा जाता है। छोटा शिग्मो ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जाता है, जो ज्यादा पारंपरिक होता है और बड़ा शिग्मो, शहरी क्षेत्रों में आयोजित होता है और इसमें बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक झांकियां और शोभा यात्राएं निकाली जाती हैं। ग्रामीण शिग्मो में ज्यादा पारंपरिक और धार्मिक तत्व शामिल होते हैं, जबकि शहरी शिग्मो में पर्यटन और बहु-सांस्कृतियों का प्रदर्शन अधिक होता है, क्योंकि शहरी शिग्मो में बड़े पैमाने पर यहां आने वाले पर्यटक भी हिस्सा लेते हैं।

संस्कृति-संरक्षण का माध्यम

शिग्मो उत्सव केवल एक पारंपरिक लोक त्योहार भर नहीं बल्कि गोवा की सांस्कृतिक धड़कन है। शिग्मो के रंग, संगीत और नृत्य गोवा के लोगों की आत्मा को अभिव्यक्त करते हैं। इसके जरिए पीढ़ियों से चली आ रही लोक परंपराओं को संरक्षण मिलता है। यह विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सहयोग की भावना बढ़ाता है। यह महोत्सव युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ता है। आज के आधुनिक और वैश्विक युग में जब कई पारंपरिक उत्सव अपनी पहचान खो रहे हैं, तब शिग्मो उत्सव गोवा की सांस्कृतिक निरंतरता का पर्याय बन गया है। *

क्या आप अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करते हैं, लेकिन इसे प्राप्त नहीं कर पाते? ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि किन वजहों से आप अपने लक्ष्य से दूर रह जाते हैं और किन बातों का ध्यान रखकर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, जानिए।

आप क्यों रह जाते हैं अपने लक्ष्य से दूर

सेल्फ मोटिवेशन

शिखर चंद जैन

कई लोग प्लान बनाते हैं, लक्ष्य भी तय करते हैं, लेकिन उन्हें कभी अचीव ही नहीं कर पाते। हम सभी जानते हैं कि जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है- लक्ष्य का निर्धारण। लक्ष्य वह मार्गदर्शक है, जो हमें भीड़ में खोने से बचाता है और चुनौतियों से लड़ने का साहस देता है। किसी भी महान कार्य की शुरुआत एक छोटे से संकल्प से ही होती है, जो आगे चलकर एक स्पष्ट लक्ष्य का रूप ले लेता है।

सोचना पर्याप्त नहीं: 'मैं यह करना चाहता हूं' ऐसा सोचकर लक्ष्य बनाना काफी नहीं है। स्पष्टता ही लक्ष्य की प्राप्ति में सफलता की पहली शर्त है। जब आप गहराई से समझ लेते हैं कि आप कौन हैं, आप वास्तव में क्या चाहते हैं और आपको कहां पहुंचना है, तभी आप एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में दस गुना अधिक व तेज उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि वह उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है।

स्वयं का करें आकलन: स्वास्थ्य, आनंद, रिश्ते और वित्तीय स्वतंत्रता, ये जीवन के चार स्तंभ हैं, जिन्हें संतुलित करके आप असाधारण सफलता पा सकते हैं। जब आप इन चार क्षेत्रों में से हर एक में खुद को 1 से 10 अंक देकर ईमानदारी से आकलन करते हैं तो आपको तुरंत समझ आने लगता है कि आपके जीवन की सबसे ज्यादा समस्याएं किस क्षेत्र से जुड़ी हैं? जाहिर है, वहीं जहां आपका स्कोर कम होता है। यानी उसी बिंदु पर सबसे अधिक फोकस करने की जरूरत होती है।

अपना दृष्टिकोण तय करें: लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में आपकी मानसिकता दो तरह की हो सकती है, समृद्धि का दृष्टिकोण या अभाव का दृष्टिकोण। समृद्धि का दृष्टिकोण आपको आत्मविश्वासी, सकारात्मक और समाधान केंद्रित बनाता है। आप दुनिया को अवसरों से भरा मानते हैं और यह विश्वास रखते हैं कि जीवन में आगे बढ़ने का अच्छा समय है। आप में यह जागरूकता बनी रहती है कि दुनिया में चुनौतियां हमेशा थीं, हैं और रहेंगी। मगर आप अपनी ऊर्जा इस बात पर केंद्रित रखते हैं कि क्या बेहतर किया जा सकता है? यह सोच आपको रचनात्मक, सक्रिय और लक्ष्य उन्मुख बनाती है। वास्तव में लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि ऐसा उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है। जब इंसान की आंखों में एक स्पष्ट स्वप्न और उसे पाने का दृढ़ निश्चय होता है, तो वह साधारण से असाधारण बनने का सफर शुरू कर देता है। इसके विपरीत दूसरा दृष्टिकोण आपको सीमित कर देता है। इसमें आप किस्मत के भरोसे बैठ जाते हैं और तरह-तरह के बहाने बनाने लगते हैं। इस दृष्टिकोण से कभी कुछ हासिल नहीं हो पाता है।

लक्ष्य पर शिद्दत से टिके रहें: अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि आप इन्हें क्यों हासिल करना चाहते हैं? अगर यह केवल सतही कारणों से या दूसरों की उम्मीद पर खरा उतरने के लिए है तो आप उसके प्रति गंभीर नहीं हो पाएंगे। इसकी बजाय स्पष्ट रूप से यह जानें कि इन लक्ष्यों का आपके आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, पारिवारिक या व्यक्तिगत जीवन पर क्या असर पड़ने वाला है? इससे आपको अपने लक्ष्य पर टिके रहने का हौसला मिलेगा।

मुश्किल लक्ष्यों को आसान बनाएं: अपने लक्ष्यों को सफल बनाने के लिए उन्हें स्पष्ट और छोटे हिस्सों में विभाजित कर लें। उन्हें प्रबंधनीय और ठोस कदमों में विभाजित करें। साथ ही अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय और प्राथमिकता दें। उन्हें अपने कैलेंडर में किसी महत्वपूर्ण बैठक की तरह रखें और तय समय पर उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। हां, अपने संकल्पों के रास्ते में जरा लचीले भी रहें, क्योंकि जीवन में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। योजनाओं में आवश्यकता के अनुसार बदलाव करें। किसी गलती या असफलता पर झुंझलाने या हार मानने की बजाय खुद को माफ करें और आगे बढ़ें। अपनी प्रगति की समीक्षा भी करते रहें। *

समझ लें सटीक फॉर्मूला

आपके लक्ष्य छोटे हों या बड़े, उनमें सफलता जरूर मिलेगी अगर आप अपने लक्ष्य को निर्धारित करने और उसे पाने का सही फॉर्मूला जान लें। इसके लिए कुछ बातों को समझ लें।

- लक्ष्य की कोई डेडलाइन ना हो तो वह सिर्फ एक कल्पना या सपना मात्र बनकर रह जाता है। इसलिए हर लक्ष्य की एक समय सीमा तय करें।
- लक्ष्य और समय सीमा तय हो जाए तो वह आपका उद्देश्य बन जाता है। इसे पूरा करने की योजना बनाएं।
- लक्ष्य पाने के लिए आपको निरंतरता का भी ध्यान रखना होगा। यानी आपको नियमित रूप से अपने लक्ष्य को हासिल करने में जुटा रहना पड़ेगा।

जानकारी

अंजू जैन

आजादी के बाद, भारत में तेजी से विकसित हो रहे सरकारी औद्योगिक उपक्रमों को सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता थी, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण थे। इसके लिए एक मजबूत सुरक्षाबल की जरूरत महसूस की गई। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 10 मार्च 1969 को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) की स्थापना की गई। भारत की संसद के एक अधिनियम द्वारा इसका गठन किया गया, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। इस सुरक्षा बल का ध्येय वाक्य है-संरक्षण और सुरक्षा।

आगामी 10 मार्च को सीआईएसएफ का 57वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। देश की महत्वपूर्ण धरोहरों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के योगदान और भूमिका पर एक नजर।

धरोहरों-औद्योगिक प्रतिष्ठानों का रक्षक सीआईएसएफ

प्रमुख कार्य

अपने नाम के मुताबिक ही सीआईएसएफ का प्रमुख आरंभिक कार्य औद्योगिक सुरक्षा ही था। सरकारी कारखानों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और बिजली संयंत्रों की सुरक्षा का जिम्मा इस बल को दिया गया। बाद में समय-समय पर इसकी जिम्मेदारियां बढ़ती गईं। आगे चलकर यह अर्धसैन्यबल हवाई अड्डों, बंदरगाहों और मेट्रो की सुरक्षा कार्य भी करने लगा। इस बल के जवान देश की ऐतिहासिक इमारतों, स्मारकों और धरोहरों जैसे-लाल किला, ताजमहल आदि की रक्षा भी करते हैं। वीआईपी सुरक्षा के तहत विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करना भी इनकी जिम्मेदारी में शामिल है।

बढ़ता संख्या बल

जब 1969 में सीआईएसएफ की शुरुआत हुई थी, तब इसमें सिर्फ 2,800 जवान थे। आज यह दुनिया के सबसे बड़े सुरक्षा बलों में से एक है, जिसमें 2,00,000 (दो लाख) से भी ज्यादा जवान शामिल हैं।

आग बुझाने में भी माहिर

सीआईएसएफ के पास अपना एक खास 'फायर विंग' भी है। यह भारत का अकेला ऐसा सुरक्षा बल है, जिसके पास फैक्ट्रियों और उद्योगों में आग बुझाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित टीम होती है।

स्मार्ट डॉग स्क्वाड

सीआईएसएफ के पास बहुत ही स्मार्ट डॉग्स की तेजतर्रार स्क्वाड भी है। इनके डॉग्स इतने ट्रेंड होते हैं कि वे छिपी हुई खतरनाक चीजों का पलक झपकते ही पता लगा लेते हैं। कई बार सीआईएसएफ के डॉग स्क्वॉड ने शातिर किस्म की साजिशों का भंडाफोड़ किया है।

एयरपोर्ट सुरक्षा में संलग्न

देश के तमाम एयरपोर्ट्स पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को उनकी विशिष्ट विशेषज्ञता, उन्नत तकनीक के कारण तैनात किया गया है। वे हवाई अड्डे की सुरक्षा के विशेषज्ञ माने जाते हैं, जो यात्रियों की तलाशी, सामान की स्क्रीनिंग और आतंकवाद विरोधी अभियानों में उच्च दक्षता प्रदान करते हैं। इन सैनिकों को विशेष रूप से नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो सामान्य पुलिस या दूसरे अर्धसैनिक बलों के प्रशिक्षण से अलग होती है। सन् 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 के अपहरण के बाद, भारत सरकार ने सुरक्षा मजबूत करने के लिए हवाई अड्डों की सुरक्षा सीआईएसएफ को सौंपने का निर्णय लिया। इसकी शुरुआत फरवरी 2000 में जयपुर हवाई अड्डे से की गई। ये अर्धसैनिक, आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके यात्रियों की गहन तलाशी और हैंड बैगेज की जांच सुनिश्चित करते हैं, जो एयरपोर्ट सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। ये अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हैं, जो अन्य सुरक्षा बलों की तुलना में अधिक उपयुक्त हैं। साथ ही इस बल के जवान संभावित खतरों के लिए 24X7 निगरानी करते हैं और त्वरित प्रतिक्रिया टीम के साथ किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम होते हैं। ये एयरपोर्ट के संवेदनशील क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों को पकड़ने और किसी भी प्रकार की तस्करी को रोकने में भी माहिर होते हैं। वर्तमान में 70 से अधिक एयरपोर्ट्स पर सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती है। यद्यपि अब देश के लगभग 60 हवाई अड्डों पर गैर-प्रमुख ड्यूटी के लिए निजी सुरक्षा गार्ड्स भी लगाए जा रहे हैं, लेकिन प्रमुख सुरक्षा और स्क्रीनिंग का काम अभी भी मुख्य रूप से सीआईएसएफ ही करती है। *

महिलाएं भी नहीं हैं पीछे

देश के अन्य सुरक्षा बलों पुलिस, पीएसी, बीएसएफ और सशस्त्र सैन्य (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) बलों की तरह ही सीआईएसएफ में भी महिलाएं अपनी सेवाएं दे रही हैं। वर्तमान में इस अर्धसैन्य बल में लगभग साढ़े बारह हजार यानी आठ प्रतिशत महिलाएं तैनात हैं। सरकार का लक्ष्य जल्द ही इनकी संख्या बढ़ाकर दस प्रतिशत करने का है। मुख्य तौर पर महिलाएं एविएशन सुरक्षा, क्विक रिएक्शन टीम और सीआईएसएफ कमांडो टीम में शामिल होकर अपनी सेवाएं दे रही हैं। किसी भी अन्य सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस की तुलना में सीआईएसएफ में सबसे अधिक महिलाएं कार्यरत हैं।

स्त्रियों के संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों का विषय बनाया जाता रहा है। आज महिला दिवस के अवसर पर हम आपको कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें स्त्री संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को प्रमुखता से उभारा गया है।

फिल्मों में खूब दिखीं महिला संघर्ष-शक्ति की कहानियां

सिने ट्रेंड

अशोक जोशी

हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा में स्त्रियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिन दिनों सिनेमा की शुरुआत हो रही थी, उसमें महिलाओं का काम करना अघोषित रूप से प्रतिबंधित माना जाता था। तब पुरुष कलाकार ही नारी का स्वांग भर पर्दे पर नजर आया करते थे। लेकिन कुछ समय बाद पर्दे पर नायिकाओं के पर्दापण से अब तक स्त्री कलाकार, सिनेमा का सबसे अनिवार्य हिस्सा बन गई हैं। फिल्मों में समय-समय पर नारी जीवन से जुड़ी समस्याएं, संघर्ष और उनके सशक्तिकरण जैसे विषयों को गंभीरता से प्रदर्शित किया जाता रहा है।

बेमेल विवाह की समस्या: हिंदी सिनेमा में वी. शांताराम, नारी समस्याओं को पर्दे पर सशक्त तरीके से उठाने वाले फिल्मकार थे। उनकी 1937 में प्रदर्शित फिल्म 'दुनिया न माने' बेमेल विवाह की समस्या पर केंद्रित थी। यह फिल्म स्त्रीत्व की गरिमा को बेहद खूबसूरती से उभारती है। शांता आप्टे ने नायिका नीरा की भूमिका में प्राण फूंक दिए थे। नारी को भोग्या, चरणों की दासी और वस्तु मानने वालों को यह फिल्म प्रभावी सबक सिखाती है।

जातिगत विसंगतियों पर कटाक्ष: 1936 में प्रदर्शित फिल्म 'अछूत कन्या' सवर्ण लड़के और अछूत लड़की की एक दारुण प्रेम कहानी है। यह एक दुःखांत फिल्म है। इस वर्जित और उपेक्षित विषय को पहली बार फिल्म के माध्यम से लोगों के बीच लाने का साहसिक प्रयास किया गया था। इससे मिलते-जुलते विषय पर 1959 में विमल राय ने 'सुजाता' बनाई, जो फिर से अछूत युवती और सवर्ण युवक के प्रेम की कहानी है। विमल राय की यह फिल्म आजादी के बाद इस विषय पर बनाई गई पहली फिल्म थी। इस फिल्म के एक दृश्य में रवींद्रनाथ ठाकुर कृत नाटक 'चांडालिका' का मंचन किया जाता है। इस नाटक में भगवान बुद्ध अछूत स्त्री के हाथों से पानी पीते हैं और सभी जातियों की समानता को व्याख्यायित करते है। राजकपूर और मीना कुमारी की ख्वाजा अब्बास निर्देशित फिल्म 'चार दिल चार राहें' की कहानी भी ऐसे ही विषय के इर्द-गिर्द घूमती है। इसी क्रम में श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'भुवन शोम', 'मृगया', 'भूमिका', 'मंडी', 'चक्र' आदि में हाशिए पर धकेल दी गई स्त्रियों की सामाजिक स्थिति की दर्दमय झांकी प्रस्तुत की गई हैं।

दिखे स्त्री संघर्ष के विविध रूप: हिंदी फिल्मकारों ने भारतीय स्त्री के सभी रूपों को अपनी फिल्मों में प्रस्तुत किया है। घरेलू स्त्री, कामकाजी स्त्री, किसान स्त्री, विवाहित और अविवाहित स्त्री, जुझारू स्त्री, संघर्षशील स्त्री और अन्याय, अत्याचार से लड़ने वाली स्त्री के कई रूप हिंदी फिल्मों में नजर आते रहे हैं। महबूब खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'औरत' और उसका संशोधित संस्करण 'मदर इंडिया' भारतीय नारी के संघर्ष और त्रासदी की महागाथा है, जिसमें ग्रामीण महाजनी सभ्यता की क्रूरता और अत्याचार से लड़ती हुई नारी की मार्मिक कहानी है। ग्रामीण सामंती अत्याचार से उत्पन्न डाकू समस्या को उजागर करने वाली फिल्मों में नारी की विवशता को 'मुझे जीने दो', 'गंगा जमुना', 'जिस देश में गंगा बहती है' और शेखर कपूर की 'बैंडिट क्वीन' में प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा गया है।

राजकुमार संतोषी की फिल्म 'लज्जा' में समाज के अलग-अलग परिवेशों से आने वाली तीन स्त्री पात्रों के दारुण शोषण और मुक्ति के संघर्ष को दर्शाया गया है। इनकी ही फिल्म 'दामिनी' में बलात्कार से पीड़ित घर की एक नौकरानी को न्याय दिलाने की कहानी को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया है।

आर.के. बैनर की फिल्मों में स्त्री: राजकपूर द्वारा निर्मित-निर्देशित फिल्मों में भी स्त्री जीवन और संघर्ष के विविध रूप सामने आते हैं। 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली' जैसी फिल्मों में जहां नारी के संघर्ष की अलग-अलग दास्तानें दिखती हैं, वहीं 'प्रेमरोग' में आभिजात्य परिवार की विधवा युवती का विवाह सामान्य वर्ग के युवक से करवाकर सामाजिक विषमता को मिटाने की पहल की गई।

बी.आर. चोपड़ा की फिल्मों में स्त्री संघर्ष: फिल्मों में नारी की स्थिति का चित्रण करने में बी. आर. चोपड़ा का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। 1956 में उन्होंने फिल्म 'एक ही रास्ता' में विधवा विवाह करवाकर सामाजिक सुधार का संदेश दिया। 'साधना' (1958) समाज में वेश्याओं की स्थिति और उसके प्रति सामाजिक नजरिए पर प्रकाश डालने में सफल रही। साल 1959 में उन्होंने अविवाहित मातृत्व की समस्या से जूझने वाली स्त्रियों के जीवन के बिखराव और उसकी परिणति को दर्शाने वाली सशक्त फिल्म 'धूल का फूल' का निर्माण किया। 'इंसाफ का तराजू' (1980) में बलात्कार से पीड़ित लड़की की कहानी को साहसिक रूप से प्रस्तुत किया। 1982 में फिल्म 'निकाह' में उन्होंने तलाक और हलाला जैसे विषयों को छूने का प्रयास किया।

नारी संघर्ष की दास्तान सुनाती कुछ और फिल्में: बॉलीवुड में स्त्रियों के संघर्ष और नारी सशक्तिकरण पर तमाम बेहतरीन फिल्में बनी हैं। 'खून भरी मांग', 'मृत्युदंड', 'वारिस', 'थप्पड़', 'कहानी', 'लापता लेडीज', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'नीरजा', 'क्वीन', 'गुलाब गैंग', 'इंग्लिश-विंग्लिश', 'पिंक', 'दंगल', 'छपाक', 'मर्दानी', 'गुंजन सक्सेना' जैसी कितनी ही फिल्में हैं, जो स्त्री संघर्ष, स्त्री सशक्तिकरण सहित स्त्री जीवन के विविध पहलुओं को छूती हैं। *